www.akhandbharatsandesh.net

वर्ष 24, अंक 3, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित, लखनऊ, कानपुर, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, जौनपुर, वाराणसी, गाजीपुर में प्रसारित

नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार 17 जुलाई 2026 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

पुरी रथ यात्रा में भगदड़ जैसे हालात, दो की मौत कई घायल

पुरी
पुरी रथ यात्रा में भगदड़ जैसे हालात बन गए. रथ यात्रा में के दौरान दो लोगों की मौत हो गई. भीड़ में दम घुटने से एक महिला की मौत हुई है तो वहीं हार्ट अटैक से एक युवक की मौत हुई है. न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक कई लोग बेहोस हो गए थे तो वहीं कई लोग घायल हैं. घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

हालांकि प्रशासन ने कहा कोई भगदड़ नहीं, सिर्फ भीड़ बढ़ने के कारण दम घुटने से महिला श्रद्धालु की मौत हुई है और कई लोगों की तबियत खराब हुई है. एक और अलग घटना में 35 साल के युवक की दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई.

कैसे बने भगदड़ जैसे हालात

एक मृतक की पहचान क्योंझर के अनिल दास के तौर पर हुई है. शुरूआती जानकारी के मुताबिक, ग्रैंड रोड (बड़ा डंडा) पर मारिचीकोट छक के पास पुलिस घेरे से करीब 100 फीट की दूरी पर भारी भीड़ के बीच सांस लेने में दिक्कत होने के बाद वे गिर पड़े. उन्हें तुरंत पुरी के जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

यह घटना तब हुई जब भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की रथ यात्रा देखने के लिए ग्रैंड रोड पर भारी भीड़ जमा थी. अधिकारियों ने अभी तक उस स्थिति के बारे में कोई विस्तृत बयान जारी नहीं किया है जिसके कारण भगदड़ जैसी



स्थिति पैदा हुई.

पुरी में कई स्तरों पर सुरक्षा के इंतजामः प्रशासन

ओडिशा के डीजीपी वाई बी खुरानिया ने बताया कि पुरी में कई स्तरों पर सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं और इस उत्सव के लिए आईपीएस के 19 अधिकारियों और लगभग 13,000 अन्य पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है. उन्होंने बताया कि इसके अलावा सीआरपीएफ, बीएसएस, आरएएफ सहित केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 15 कंपनियों को रणनीतिक जगहों पर तैनात किया गया है.

अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन-जैमर सिस्टम से जुड़े कुल 473 एआई आधारित सीसीटीवी कैमरे, दो कमान और नियंत्रण केंद्रों के जरिए ह्यबड़ा डंडाह्व और आस-पास के इलाकों की निगरानी की जा रही है. उन्होंने बताया कि भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल और ओडिशा पुलिस समुद्री पुलिस थाना द्वारा संयुक्त गश्त की जा रही है और क्यूआरटी तैनात की गई हैं।

'छात्रों की गूंज' के जरिए पेपर लीक और शिक्षा प्रणाली पर वार!



उत्तराखंड

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' प्रोग्राम 17 जुलाई को देहरादून के बन्नू स्कूल में होना है, जिसके लिए वहां तैयारियां चल रही हैं। इस प्रोग्राम में छात्रों के शामिल होने की उम्मीद है और राहुल गांधी के दौरे से पहले वहां तैयारियां की जा रही हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को उत्तराखंड सरकार से 2025 उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग भर्ती परीक्षाओं में कथित पेपर लीक मामले पर सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि राज्य का नकल-रोधी कानून बेअसर रहा और "सिर्फ कागजों पर" ही सीमित रहा, जबकि परीक्षा के पेपर बिकते रहे। 'छात्रों की गूंज' नाम के देशव्यापी अभियान के तहत, विपक्ष के नेता 17 जुलाई को देहरादून का दौरा करेंगे और राज्य की राजधानी में युवाओं से बातचीत करेंगे। इस देशव्यापी अभियान का मकसद छात्रों की समस्याओं, जैसे परीक्षा में गड़बड़ी और भारत की शिक्षा व्यवस्था की हालत पर ध्यान दिलाना है। एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने आरोप लगाया कि 'देवभूमि' के नाम से मशहूर उत्तराखंड "पेपर लीक का केंद्र" बन गया है और उन्होंने इस मुद्दे से निपटने के राज्य सरकार के तरीके पर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा, "मैं 17 जुलाई को देहरादून आ रहा हूं। लेकिन उत्तराखंड ही क्यों? क्योंकि 'देवभूमि' को पेपर लीक का केंद्र बना दिया गया है। 2025 में हुई बड़ररउ परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए।

भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति!

राजनाथ सिंह ने बीआरओ को ट्रैक किया, कहा- विकास का नया उदाहरण

नई दिल्ली
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन की ओर से आयोजित 'स्ट्रैटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर कॉन्क्लेव' को संबोधित किया और संगठन के साढ़े छह दशकों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े छह दशकों में, संगठन ने सचमुच अपने आदर्श वाक्य, 'कड़ी मेहनत से सब कुछ संभव है' को साकार किया है। अटल टनल और सेला टनल जैसे प्रोजेक्ट्स का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जिस तेजी से आप अब सबसे मुश्किल इलाकों और ऊंचे पहाड़ों पर सड़कें और हाईवे बना रहे हैं, वैसी तेजी हमारे इतिहास में पहले कभी नहीं देखी गई। टेक्नोलॉजी को अपनाने के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है। और इफ्ड परिवार के एक सदस्य के तौर पर, जब मैं आपकी उपलब्धियों को देखता हूँ, खासकर पिछले दशक की उपलब्धियों को, तो मुझे गर्व महसूस होता है।

राजनाथ सिंह ने इंफ्रास्ट्रक्चर के लगातार बने रहने वाले रणनीतिक



महत्व पर जोर देते हुए कहा कि किसी देश की ताकत चाहे कितनी भी ज्यादा क्यों न हो, उसे खड़े होने के लिए मजबूत जमीन की जरूरत होती है। इफ्ड सीमावर्ती इलाकों में एयरफील्ड भी बनाता है। युद्ध के तरीके चाहे कितने भी बदल जाएं, सड़कों, सुरंगों और एयरफील्ड का महत्व हमेशा बना रहेगा। इफ्ड देश की ताकत का एक अहम स्तंभ बना रहेगा। इसने खुद को सिर्फ. एक कंस्ट्रक्शन एजेंसी से बदलकर दुनिया के सबसे सम्मानित रणनीतिक इंफ्रास्ट्रक्चर संगठनों में से एक बना लिया है।

कॉन्क्लेव के समय पर टिप्पणी करते हुए, उन्होंने भारत में बुनियादी ढांचे में हुए बड़े बदलाव का ज़िक्र किया और कहा कि कॉन्क्लेव का विषय - टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और बेहतरीन क्रियान्वयन के जरिए क्षमता बढ़ाना - भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि सभ्यताओं को न केवल उनकी उपलब्धियों के लिए, बल्कि उनके द्वारा बनाई गई सड़कों और बुनियादी ढांचे के लिए भी याद किया जाता है। आज भारत जो बुनियादी ढांचा बना रहा है, वह उसकी सभ्यता की एक अहम पहचान बन जाएगा।

पहले के इंफ्रास्ट्रक्चर कामों की आलोचना पर बात करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं यह नहीं कह रहा कि आजादी के बाद इस दिशा में कुछ नहीं हुआ, लेकिन जितना ध्यान दिया जाना चाहिए था, उतना नहीं दिया गया; यह हमारी क्षमताओं और जरूरतों के हिसाब से नहीं था। पिछले दस सालों में, हमने गांवों, पहाड़ों और दूर-दराज के इलाकों को जोड़ने का मिशन शुरू किया है। हमने सड़कों, रेलवे, हवाई कनेक्टिविटी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए लोगों को जोड़ने पर भी ध्यान दिया है।

उन्होंने आगे कहा कि हमारा पक्का मानना है कि किसी देश का इंफ्रास्ट्रक्चर जितना मजबूत होगा, उसका भविष्य भी उतना ही मजबूत होगा।

इसीलिए हम आने वाले सालों में भी इसी लगन के साथ काम करते रहेंगे। सड़क, रेल, हवाई और डिजिटल कनेक्टिविटी के साथ-साथ, सरकार आज 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' भी लागू कर रही है। सीमावर्ती गांव, जिन्हें कभी देश का 'आखिरी गांव' कहा जाता था, उन्हें अब देश के 'पहले गांव' के तौर पर विकसित किया जा रहा है।

फिर वही करने जा रही सरकार, परिसीमन बिल लाने की खबर से भड़के खरगे, पीएम मोदी को लेटर

नई दिल्ली
संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है. इस दौरान केंद्र की मोदी सरकार फिर से महिला आरक्षण और लोकसभा की सीटों को बढ़ाने वाले परिसीमन बिल को पेश कर सकती है. इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संशोधित 131वें संविधान संशोधन विधेयक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर



सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की.

खरगे ने की सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने अपने पत्र में लिखा, 'मैं माननीय संसदीय कार्य मंत्री को पत्र लिखकर यह अनुरोध करता रहा कि केंद्र सरकार परिसीमन आदि के संबंध में अपने प्रस्तावों पर चर्चा करने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाए. हमारे इन अनुरोधों को स्वीकार नहीं किया गया।

सोनम वांगचुक से मिले अरविंद केजरीवाल, कांग्रेस का जिक्र कर मोदी सरकार को चेताया

जंतर-मंतर
जंतर-मंतर पर अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक से दिल्ली के पूर्व सीएम और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मुलाकात की. केजरीवाल ने कहा कि वो सोनम वांगचुक को सलाम करते हैं जो देश के बच्चों के लिए अनशन कर रहे हैं. हमारे देश में ऐसे बहुत सारे टीचर हैं जिन्होंने पेपर लीक के खिलाफ आवाज उठाई, उनको गिरफ्तार किया, उन्हें भी सलाम है.

'धर्मेंद्र प्रधान को हटाकर वांगचुक



को शिक्षा मंत्री बनाया जाए'

अरविंद केजरीवाल ने कहा, "4 अप्रैल 2011 के दिन यहां अन्ना हजारे बैठे थे. 2011 में तब की सरकार (कांग्रेस नेतृत्व वाली) बहुत अहंकार में थी।

पुलिस और अपराधियों का है खतरनाक गठबंधन



पंजाब
पंजाब के गुरदासपुर ज़िले में कादियान म्युनिसिपल काउंसिल के प्रेसिडेंट पद के चुनाव के दौरान विरोधी गुटों के बीच झड़प हो गई। समर्थकों के बीच हुई जुबानी बहस जल्द ही हाथापाई में बदल गई। मौके पर पहले से ही पुलिस बल मौजूद था, इसलिए जल्द ही स्थिति को काबू में कर लिया गया। इस घटना के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई की। बाजवा ने कहा, पुलिस ने असल में हमारे तीन लोगों के खिलाफ ऋ्रफ़दर्ज कराने में मदद की; दो लोगों को पुलिस स्टेशन ले जाया गया है और एक व्यक्ति लापता है। यह विवाद यहाँ से 10 किलोमीटर दूर सेलाबपुर गाँव का है। राज्य में कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर बाजवा ने कहा, "ये पेशेवर गुंडे हैं; पूरे पंजाब में सब कुछ गैंग्स के इशारे पर चल रहा है। बाजवा ने आगे कहा, "पुलिस ने असल में इन आपराधिक तत्वों की मदद की।

ममता को झटके पर झटका! मदन मित्रा के बाद अब कोयल मलिक का इस्तीफा

पश्चिम बंगाल
पश्चिम बंगाल में 15 सालों तक सत्ता में रहने के बाद अब पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस की स्थिति काफी संकटों में घिरी नजर आ रही है. पार्टी में अंदरूनी तनाव और फूट के बीच गुरुवार (16 जुलाई, 2026) को टीएमसी की एक और राज्यसभा सांसद रुक्मिणी मलिक उर्फ कोयल मलिक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. वहीं, ममता बनर्जी के लिए एक और झटका यह है कि राज्यसभा



की सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद तृणमूल कांग्रेस की नेता कोयल मलिक ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात भी की है. कोयल मलिक का यह इस्तीफा ऐसे समय पर सामने आया है जब एक दिन पहले ही ममता बनर्जी के टीएमसी गुट के विधायक मदन मित्रा ने पार्टी के सभी पदों से अपना इस्तीफा दे दिया।

इसरो के 100 साइंटिस्ट के नौकरी छोड़ने के बाद

एक्शन में सरकार, अब सख्त किए नियम

नई दिल्ली
भारत सरकार ने इसरो के 100 साइंटिस्ट के नौकरी छोड़ने और समय से पहले रिटायरमेंट के नियमों को कड़ा कर दिया है. एक आधिकारिक आदेश में माना गया है कि इसरो के ग्रुप ए के साइंटिस्ट और टेक्निकल टीम के कर्मचारियों की ओर से स्वैच्छिक रिटायरमेंट और इस्तीफे के लिए बड़ी संख्या में एप्लिकेशन आई है.

सरकार ने इन नियमों को इसलिए सख्त करने का फैसला लिया है, क्योंकि बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने नौकरी छोड़ने के लिए अनुरोध



किया है. इसपर डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस ने इसरो के मुख्य अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्रों के लिए नया निर्देश जारी किया है. इसमें स्वैच्छिक रिटायरमेंट और इस्तीफे से जुड़े नियमों को कड़ा किया गया है.

14 जुलाई को यूआर राव सैटेलाइट सेंटर और विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर के केंद्रों को जारी किए गए इस मेमोरेंडम में निर्देश दिया गया है कि वे गगनयान और अन्य महत्वपूर्ण मिशनों से जुड़े ग्रुप ए के साइंटिस्ट और टेक्निकल टीम के कर्मचारियों के इस्तीफे या स्वैच्छिक रिटायरमेंट के अनुरोधों को सामान्य प्रक्रिया के तहत स्वीकार न करें.

सरकार की तरफ से यह निर्देश दिया गया है कि हाल ही में देखा गया है कि इसरो के ग्रुप के साइंटिस्ट और टेक्निकल कर्मचारियों, इनमें प्रतिष्ठित गगनयान और अन्य महत्वपूर्ण मिशनों और प्रोजेक्ट्स से जुड़े कर्मचारी शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट का साफ संदेश- कानून का गला न घोटें

अब हाईकोर्ट तय करेंगे तोड़फोड़ की सच्चाई

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बुलडोजर से कथित तौर पर "मनमाने" ढंग से की गई तोड़-फोड़ के खिलाफ अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए साफ कहा कि हालांकि वह बुलडोजर कार्रवाई पर पूरी तरह रोक नहीं लगा सकता, लेकिन लोगों को सजा देने के लिए चुनिंदा लोगों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें आरोप लगाया गया था कि अधिकारियों ने नवंबर 2024 के उसके अहम निदेशों का उल्लंघन किया है। याचिकाओं को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों की जांच संबंधित हाई कोर्ट को करनी चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली बेंच, जिसमें जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना भी शामिल थे, ने कहा कि हर मामले में विवादित तथ्य शामिल हैं जिनकी विस्तार से जांच की जरूरत है। इसलिए, यह तय करने के लिए कि क्या शीर्ष अदालत द्वारा तय किए गए सुरक्षा उपायों का उल्लंघन हुआ है, हाई कोर्ट ही सही मंच हैं। जस्टिस बागची ने कहा, "हां, जब अधिकारियों और अवैध कब्जा करने वालों के बीच मिलीभगत से



कानून के शासन का गला घोंटा जाता है, तो बुलडोजर का इस्तेमाल जरूरी हो जाता है। लेकिन कानून लागू करने के नाम पर लोगों की छवि खराब नहीं की जानी चाहिए। यह बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ है... सवाल यह है कि क्या व्यक्ति के पास अधिकार था और क्या कानून की प्रक्रिया का पालन किया गया? उन्होंने कहा कि सवाल यह था कि क्या उस व्यक्ति के पास कानूनी अधिकार था और क्या उचित प्रक्रिया का पालन किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि इस फैसले को किसी अलग कानून के तौर पर नहीं, बल्कि इसमें बताए गए अपवादों के साथ पढ़ा जाना चाहिए। पीठ ने यह भी टिप्पणी की कि अदालत अवमानना कार्यवाही के माध्यम से हर विध्वंस मामले में उत्पन्न होने वाले तथ्यात्मक विवादों का निपटारा नहीं कर सकती।

इसके परिणामस्वरूप, अदालत ने याचिकाओं को संबंधित उच्च न्यायालयों को स्थानांतरित कर दिया।

योगी सरकार का बेटियों को ऐतिहासिक उपहार, जेवर में शिक्षा और सशक्तिकरण का नया अध्याय शुरू"

जेवर
"**जिद्द** अगर जीतने की हो, तो हर नामुमकिन कार्य भी मुमकिन बन जाता है। जब बेटियों के हाथ में कलम आती है, तभी समाज का भविष्य मुस्कुराता है।" उपरोक्त शब्द जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने आज दिनांक 16 जून 2026 को जेवर स्थित नवनिर्मित राजकीय महिला डिग्री कॉलेज के शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित छात्राओं, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहे। जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि "आज का दिन महाविद्यालय के उद्घाटन का नहीं, बल्कि जेवर क्षेत्र की बेटियों के सपनों को नई उड़ान देने वाले एक ऐतिहासिक अध्याय का शुभारंभ है। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के उस दूरदर्शी विजन का परिणाम है, जिसमें प्रत्येक बेटी को उसके घर के निकट और सुलभ उच्च शिक्षा उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर, शिक्षित और सशक्त बनाने का संकल्प निहित है। मुख्यमंत्री जी का मानना है कि जब बेटियाँ शिक्षित होंगी, तभी उत्तर प्रदेश और भारत का भविष्य अधिक समृद्ध, सक्षम और आत्मविश्वासी बनेगा।" भारतीयनौसेना जानकारी

जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि 'वर्षों से जेवर क्षेत्र की बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज जाना पड़ता था, जिससे बहुतायत में लड़कियां कठिन परिस्थितियों के कारण आगे नहीं बढ़ पाती थीं। आज राजकीय महिला डिग्री कॉलेज के शुभारंभ के साथ यह बाधा समाप्त हो गई है। महाविद्यालय में आज से छात्राओं के पंजीकरण की प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है तथा यह चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से संबद्ध रहेगा।"

जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि "माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में शिक्षा, महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। जेवर का यह राजकीय महिला डिग्री कॉलेज भी उसी विकासवादी सोच और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना का सशक्त उदाहरण है।"

छत से गिरने पर महिला की मौत इलाज के दौरान तोड़ा दम

मांडा,प्रयागराज। मांडा थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव में बुधवार शाम एक दर्दनाक हादसे में 42 वर्षीय महिला की मौत हो गई। छत से गिरने के बाद गंभीर रूप से घायल महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, सोनबरसा (पाल बस्ती) निवासी गीता देवी (42) पत्नी कैलाश नाथ गोंड किसी काम से घर की छत पर गई थीं। इसी दौरान अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वह छत से नीचे गिर पड़ीं। तेज आवाज सुनकर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा उन्हें तत्काल उपचार के लिए मिजार्पुर के एक निजी अस्पताल ले गए।

डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद गीता देवी को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए



पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतका के पति कैलाश नाथ गोंड मुंबई में निजी नौकरी करते हैं। घटना की जानकारी मिलने पर वह घर के लिए रवाना हो गए हैं। गीता देवी अपने पीछे एक पुत्र आदित्य और पुत्री दिव्यांशी को छोड़ गई हैं। अचानक हुई इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, वहीं पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, साथी गंभीर



झूंसी। रोडवेज वर्कशॉप कटका के पास बुधवार को हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने सामने से बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

वार्ड संख्या 85 मल्हाई टोला, नई झूंसी निवासी 20 वर्षीय दीपक निषाद ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। वहीं, गोला बाजार निवासी 22 वर्षीय पवन साहू गंभीर रूप से घायल हैं और उनका एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। दीपक दो भाइयों में सबसे बड़ा था और स्नातक की पढ़ाई कर रहा था। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

प्रयागराज-मिर्जापुर राजमार्ग पर चार पहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त

मांडा बॉर्डर के पास सुमतिया गांव बिजली पोल से टकराया हुआ हादसा, वाहन पलटा



मांडा, प्रयागराज। प्रयागराज-मिर्जापुर राजमार्ग पर एक चार पहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हादसा मांडा क्षेत्र के बॉर्डर पर स्थित सुमतिया गांव के समीप अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकराने से हुआ, जिसमें वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और पलट गया । जानकारी के अनुसार, एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन अनियंत्रित होकर भीषण टक्कर का शिकार हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन क्षतिग्रस्त हो गया । घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। हालांकि, अभी तक इस दुर्घटना में हुए हताहतों के बारे में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

धीमी बारिश से किसान हुए हलकान अगले नक्षत्र पर टिकी सब की निगाहें

अखंड भारत संदेश



लेड़ियारी प्रयागराज। शुरूआती बरसात की धीमी गति को देख किसानों की चिंता अब धीरे- धीरे बढ़ने लगी है। आर्द्रा व पुनर्वसु नक्षत्र की बरसात से धान की रोपाई का काम चालू हो जाता था। लेकिन कम बारिश होने के कारण इस वर्ष धान की रोपाई की गति बहुत धीमी पड़ी हुई है। नहर के आसपास व निजी संसाधनों से अभी तक मात्र बीस प्रतिशत ही किसानों की रोपाई शुरू हो पायी है। आगले आने वाले नक्षत्र पर अच्छी वर्षा को लेकर सबकी निगाहें टिकी हुई है। रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी राकेश प्रसाद मिश्र जानकी कुशवाहा पवन सिंह रेखा पाल प्रमोद तिवारी अमृतलाल कुशवाहा आदि किसानों ने बताया अगले सप्ताह तक अच्छी बरसात होने की पूरी उम्मीद है। इसलिए कि पुनर्वसु (चिरईया) नक्षत्र ही ज्यादा समय से किसानों का साथ देता चला आया है। जानकारों का माने तो यदि पखवाड़े के अंदर अच्छी वर्षा नहीं हुई तो धान की डाली गई नर्सरियां खराब होने लग सकती है। ज्यादा दिन की नर्सरी होने पर जहां एक ओर उसे उखाड़ने (कबारने)मे परेशानी बढ़ जाएगी। वही उसे मिट्टी पकड़ने में भी समस्या बढ़ जाती है। और जो कम दिन वाली धान की फसल है उसमें पैदावार घटने की संभावना बढ़ जाएगी। निजी संसाधन या नहर के सहारे रोपाई की जा रही धान की फसलों पर भी मानसूनी प्रभाव पड़ सकता है।

सांसद उज्जवल रमण ने किया कोरांव क्षेत्र का दौरा

इलाके के शोक संतप्त परिजनों से मिलकर दी सांत्वना

अखंड भारत संदेश



पसना। इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस सांसद कुंवर उज्जवल रमण सिंह ने बृहस्पतिवार दोपहर बाद कोरांव विधानसभा अंतर्गत पसना इलाके का दौरा किया। उन्होंने क्षेत्र के कई गांवों में शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी और स्थानीय लोगों से क्षेत्रीय समस्याओं पर भी चर्चा की।

सांसद उज्जवल रमण सिंह ने सर्वप्रथम कपुरी बढैया में बुद्धसेन केसरी की पत्नी के निधन और राजेश कुमार यादव के पुत्र की सर्पदंश से हुई आकस्मिक मृत्यु पर परिजनों से मिलकर ढाढ़स बंधाया।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने बेलहट में कमला शंकर सिंह के चचेरे भाई, पसना में कलक्टर सिंह की भाभी और जवाइन गांव के पूर्व प्रधान लाल साहब सिंह की माता के निधन पर भी शोक संवेदना व्यक्त की। सांसद ने जवाइन गांव के पूर्व प्रधानाचार्य श्री उदित नारायण सिंह से मिलकर उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना।

उन्होंने बभनपट्टी गांव के पूर्व प्रधान स्वर्गीय राधेश्याम तिवारी के परिजनों से भी मुलाकात कर सांत्वना दी और शोक व्यक्त किया। बभनपट्टी में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में पाल एवं आदिवासी समुदाय के लोगों ने बिजली और पानी से संबंधित अपनी समस्याएं बताईं। सांसद ने प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया।

सांसद के इस दौरे में उनके साथ विनय कुशवाहा (सांसद प्रतिनिधि), श्याम कृष्ण यादव (पूर्व अध्यक्ष, सिरसा), ललन सिंह पटेल (जिला उपाध्यक्ष, सपा), अजय कुशवाहा (जिला उपाध्यक्ष, सपा), राजेश पांडे (जिला उपाध्यक्ष), प्रमोद मिश्र पयासी, अनिल मौर्य, दिनेश पटेल, मुन्ना सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

शिक्षा के माध्यम से हीं विकास सम्भव : अधिवक्ता अर्चना पासी



जसरा। शिक्षा हीं वह माध्यम हैं जिसके बल पर कोई भी व्यक्ति अपने जीवन को बदल सकता हैं। बिना शिक्षा के व्यक्ति पशु के समान होता हैं अतः सभी लोग भले हीं एक जून की रोटी न खाये किन्तु अपने बच्चों को अवश्य पढ़ायें उक्त नेक विचार कुखुड़ी ग्राम सभा की प्रधान प्रत्याशी एवम अधिवक्ता व समाजसेवी अर्चना पासी जी के हैं। वह विगत कई वर्षों से क्षेत्र मे पेयजल हेतु कूपों की मरम्मत, नये हैण्डपम्प लगवाना, तालाबों जीर्णोद्धार, पर्यावरण संरक्षण की दिशा मे व्यापक पैमाने वृक्षारोपण, क्षेत्र मे शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थियों को पाठयसामग्री उपलब्ध कराना, साईकिल भेंट करके शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करते हुए आम जनमानस का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट कर रही हैं। अधिवक्ता अर्चना पासी जी का मानना हैं कि जीवन मे सेवा का अवसर हर किसी को नहीं प्राप्त होता, सेवा का अवसर सौभाग्यशाली लोगो को हीं प्राप्त होता हैं अतः उनका पूरा प्रयास रहता हैं कि वह हर सम्भव लोगो को मदद कर सके इसके साथ -साथ वह स्वयं को सौभाग्यशाली भी समझती हैं कि वह लोगों की सेवा कर पाती हैं। पर्यावरण संरक्षण की दिशा मे भी वृक्षारोपण एवम पौधों का वितरण के माध्यम से लोगो को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक कर रही हैं।

भारतगंज में 10 दिन बाद बिजली बहाल होगी

आज दोपहर 12 बजे से आपूर्ति, जेई ने सावधानी बरतने की अपील की



मांडा, प्रयागराज। भारतगंज और आसपास के क्षेत्रों में 10 दिनों से जारी बिजली संकट समाप्त होने वाला है। अवर अभियंता (जेई) प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि शुक्रवार को दोपहर 12:00 बजे से 33 केवी जिगना-भारतगंज विद्युत लाइन को चालू किया जाएगा।

इस पहल से लंबे समय से बिजली कटौती और पानी की समस्या से प्रभावित हजारों उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। जिगना फीडर के माध्यम से भारतगंज की बिजली आपूर्ति अब सुचारु रूप से शुरू हो सकेगी। जेई प्रशांत श्रीवास्तव ने सभी नागरिकों से विशेष अपील की है। उन्होंने कहा कि सिहावली, चितौली, कुशहा, पयागपुर, रामगढ़वा, भजनपुर और भारतगंज में जहां-जहां नई विद्युत लाइनें बिछाई गई हैं, लोग वहां तारों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। बिजली विभाग ने चेतावनी दी है कि लाइन चालू होने के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही गंभीर परिणाम दे सकती है। विभाग ने अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए बिजली के तारों के पास न जाने और किसी भी संदिग्ध स्थिति की सूचना तुरंत विभाग को देने का आग्रह किया है।

अनियमित बिजली कटौती से उड़ी ग्रामीणों की नींद



जंघई। इस उमस भरी गर्मी में बिजली की आपूर्ति कम कर दी गई है में लोग हैरान परेशान हैं। दिनभर काम काज करने वाले ग्रामीणों में पुरुष महिलाएं बच्चे किसान गृहणी जब रात्रि में चैन की नींद विश्राम चाहते हैं तो बिजली शाम एवं रात मे बिजली कई कट जाती है और देर रात में आती है फिर कट जाती है।चंपापुर फीडर से दर्जनों गावों में विद्युत आपूर्ति होती है ग्रामीण बिजली के अनियमित कटौती से हैरान व परेशान है। विद्युत कटौती रात्रि और दिन में भी की जा रही है जिसके कारण ग्रामीण बेचैन है नियमानुसार बिजली न आना बार बार बिजली कटौती से ग्रामीणों को इस उमस भरी गर्मी मे रात भर जागने के लिए विवश कर रहा है ग्रामीणों ने कहा कि बिजली की कटौती दिन एवं रात में हो रही है जिसके कारण किसानों को अपनी को अपनी धान की फसल को सिंचाई करने में समस्या आ रही है ग्रामीणों ने विद्युत कटौती रोकने की मांग की है। अनियमित रोस्टर से ग्रामीणों में आक्रोश है बार बार अधिकारियों से नियमित रोस्टर करने के लिए कहा जाता है लेकिन अनसुना कर देते है जिसके कारण ग्रामीणों मे असंतोष व्याप्त है। चंपापुर फीडर से जंघई, चौका, चनेथू, नेदुला, पतवां, पतैंया, जलालपुर, रस्तीपुर, सोरों, खखैचा, महरछा, झारी, पिलखिनी, भूलेंद्र, अनुवां, भेलखा, वारी, हरिपुर पट्टी, बजती, बघेड़ी, चंपापुर सहित तमाम गांवों में विद्युत सप्लाई होती है।

बेनी माधव पीजी कॉलेज की छात्रा अल्का पाण्डेय को मिला कांस्य पदक

एम.ए. गृह विज्ञान में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विश्वविद्यालय ने किया सम्मानित



अखंड भारत संदेश

गंगापार । बेनी माधव पीजी कॉलेज की एम.ए. गृह विज्ञान की छात्रा अल्का पाण्डेय ने शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय की परीक्षा में तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक अपने नाम किया है। कॉलेज प्रबंधन और शिक्षकों ने उनकी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान न केवल अल्का की कड़ी मेहनत का परिणाम है, बल्कि पूरे कॉलेज के लिए गौरव का विषय है। गृह विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष ने बताया कि अल्का शुरू से ही अनुशासित, मेहनती और शिक्षा के प्रति समर्पित छात्रा रही हैं। पदक मिलने के बाद अल्का पाण्डेय ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और कॉलेज प्रशासन को दिया। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ डी वी ने कहा कि अल्का जैसी छात्राएं अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी कॉलेज की छात्राएं इसी तरह नाम रोशन करती रहेंगी। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ डी वी सिंह, सचिव / प्रबंधक माधुरी सिंह, उपाध्यक्ष सौरभ सिंह, अध्यक्ष कृपाराम मिश्र, डॉ बबीता सिंह, डॉ सीमा सिंह, डॉ राजमणि मौर्य, डॉ वी डी सिंह, शालू पांडेय, डॉ राम कैलाश, डॉ करुणेश एवं कॉलेज के प्रशासनिक अधिकारी गोपाल सिंह, सत्यनारायण मिश्र आदि सभी ने इस उपलब्धि को लेकर अल्का पांडेय को उनकी उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए ऐसे आगे बढ़ते रहने की अपना आशीर्वचन दिया।

नैनी में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष का किया स्वागत



नैनी। नैनी क्षेत्र में भाजपा काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया के प्रथम आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहित रहे। यमुनापार के लेप्रोसी चौराहा, मेवा लाल बगिया चौराहा, सब्जी मंडी सहित अन्य स्थानों पर भव्य स्वागत, अभिनंदन किया गया। औद्योगिक क्षेत्र स्थित यूनाइटेड कालेज के सामने पूर्व मंडल अध्यक्ष नैनी एवं जिला संयोजक हरिकृष्ण बबलू तिवारी के नेतृत्व में सेकड़ो कार्यकताओं के साथ करछना विधानसभा में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व मंडल अध्यक्ष लक्ष्मी कांत तिवारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं नामित पार्षद दिलीप केशरवानी, मंडल अध्यक्ष रजत कुँअर दुबे, सेक्टर संयोजक जय कृष्ण तिवारी, विभूति नारायण सिंह, मनीष देव पांडेय, श्याम मिश्र, रत्नेश कुशवाहा, पूर्व मंडल अध्यक्ष पंकज केशरी, विनोद यादव, राजीव वर्मा गुडविल, विकास श्रीवास्तव, भरत भोषण तिवारी आदि वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मांडा में अघोषित बिजली कटौती जारी, उपभोक्ता परेशान

मांडा, प्रयागराज। इलाकाई मांडा क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती से उपभोक्ता परेशान हैं। भीषण गर्मी और उमस के बावजूद, रात में लगातार तीन घंटे भी बिजली आपूर्ति नहीं मिल पा रही है, जिससे हर वर्ग प्रभावित हो रहा है। मंगलवार सुबह से सुरवांदलापुर और भारतगंज उपकेंद्रों से जुड़े कई गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। रात एक बजे बिजली आने के बाद भी पूरी रात यह आती-जाती रही। इसी प्रकार, मांडा रोड उपकेंद्र से जुड़े दर्जनों गांवों में मंगलवार रात से लेकर बुधवार पूरे दिन और रात तक बिजली गुल रही। मांडा क्षेत्र में सुचारू बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मांडा रोड, गिरधरपुर, भारतगंज, सुरवांदलापुर, हाटा और नेवढ़िया सहित पांच विद्युत उपकेंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके बावजूद, शाम होते ही बिजली की आवाजाही शुरू हो जाती है, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जे ई मांडा नमो नारायण ने बताया कि बिजली कटौती नही किया जा रहा है यह अधिक लोड के कारण जिगना पावर हाउस से इलेक्ट्रीकल ट्रिप कर जा रहा है।

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, नफीस अहमद पुत्र रज्जब अली, निवासी मोहल्ला वार्ड नं. 12, बुदपुरी वार्ड बरई उर्फ सराय अकिल, नगर पंचायत एवं थाना सराय अकिल, तहसील चायल, जनपद कौशाम्बी, अपने बड़े पुत्र मोहम्मद आजम पुत्र नफीस अहमद को उसके अनुचित आचरण, पारिवारिक दुर्व्यवहार एवं लगातार आपत्तिजनक गतिविधियों के कारण अपनी समस्त सभी प्रकार की चल एवं अचल संपत्ति से आज दिनांक से पूर्णतः बेदखल एवं अधिकार-विहीन घोषित करता हूँ।अतः आज के बाद मोहम्मद आजम का मेरी किसी भी चल अथवा अचल संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं होगा। यदि कोई व्यक्ति उसके साथ मेरे नाम, मेरी संपत्ति या पारिवारिक संबंध का हवाला देकर किसी प्रकार का लेन-देन करता है,तो उसकी समस्त जिम्मेदारी स्वयं संबंधित व्यक्ति की होगी। इसके लिए मैं अथवा मेरा परिवार किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

नफीस अहमद पुत्र रज्जब अली, निवासी सराय अकिल, जनपद कौशाम्बी।

डभांव गांव में वर्षों से मूलभूत सुविधाओं का अभाव, ग्रामीणों में आक्रोश

सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट और सफाई व्यवस्था न होने से ग्रामीण परेशान, हाउस टैक्स वसूली पर भी उठाए सवाल

अखंड भारत संदेश



नैनी। नैनी क्षेत्र के चाका ब्लॉक अंतर्गत नगर निगम के वार्ड-29 स्थित डभांव गांव में वर्षों से मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि नगर निगम में क्षेत्र शामिल होने के बाद भी गांव के विकास की ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट, नियमित सफाई और कूड़ा उठान जैसी बुनियादी सुविधाएं आज भी ग्रामीणों के लिए सपना बनी हुई हैं। इससे लोगों में नगर निगम प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। डभांव निवासी जियालाल भारतीया ने बताया कि जब से गांव नगर निगम क्षेत्र में शामिल हुआ है तब से आज तक कूड़ा उठाने वाली गाड़ी नियमित रूप से गांव नहीं पहुंची। सफाईकर्मी भी गांव में सफाई करने नहीं आते। जिसके कारण जगह-जगह कूड़े काढेर लगा रहता है। गंदगी के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बना रहता है। उनका कहना है कि नगर निगम सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा रहा है जबकि लोगों से हाउस टैक्स की वसूली लगातार की जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव की अधिकांश गलियों में नालियों का निर्माण नहीं होने से बारिश का पानी सड़कों और रास्तों पर भर जाता है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण कई दिनों तक पानी जमा रहता है जिससे लोगों को उसी गंदे पानी से होकर आने-जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी होती है। जलभराव के कारण मच्छरों की संख्या बढ़ने से डेंगू, मलेरिया और अन्य मौसमी बीमारियों का खतरा भी बना रहता है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि गांव में स्ट्रीट लाइट नहीं होने के कारण रात के समय पूरी बस्ती अंधेरे में डूबी रहती है। अंधेरे के कारण सांप, बिच्छू और अन्य जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा बना रहता है। कई बार लोगों को रात में आवागमन करने में कठिनाई होती है और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उनका कहना है कि विकास कार्यों के नाम पर केवल आश्वासन दिए जाते हैं लेकिन धरातल पर कोई काम दिखाई नहीं देता। ग्रामीणों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि डभांव गांव में जल्द से जल्द नालियों का निर्माण, सड़क का निर्माण, स्ट्रीट लाइट की स्थापना, नियमित सफाई व्यवस्था और कूड़ा उठान की सुविधा शुरू कराई जाए, ताकि लोगों को मूलभूत सुविधाएं मिल सकें और उन्हें रोजाना होने वाली समस्याओं से राहत मिल सके।

तहसीलदार रोशनी सोलंकी का अवैध कब्जा छोडो अभियान जारी, कई लोगों को बेदखली की नोटिस जारी और चेतावनी



कोराँव, प्रयागराज। तहसीलदार कोराँव रोशनी सोलंकी ने जिलाधिकारी के आदेश पर एसडीम कोराँव संदीप तिवारी के निर्देशन में ग्राम सभाओ में बंजर नवीन परती चकमार्ग नाली खलिहान आदि पर हुए अवैध कब्जे की शिकायतों प्रांत कब्जा मुक्त कार्यवाही अभियान जारी कर रखा है, सुश्री सोलंकी तहसीलदार ने चकमार्ग आदि ग्राम समाज की जमीनों पर अबैध कब्जा करने वालों के विरुद्ध अभियान चला कर जमींनें खाली कराने और तत्काल कब्जा ध्वस्त कराने बेदखिली की कार्यवाही शुरू कर दी है जिस्से भू माफियाओं के हालात खराब दिखने लगे हैं,उनका मानना है कि जी एस लैंड पर अवैध कब्जा स्वीकार नहीं है, उन्होने बृहसपतिवार को ग्राम सभा देविबाँध में नीरज पांडेय द्वारा शिकायतो उपरान्त नाली एवं चकमार्ग के कब्जे की शिकायत की थी, जिसे संज्ञान में लेते हुए राजस्व टीम के साथ दोनों वादी प्रतिवादी के उपस्थिति में मौके का मुआएना कर समस्या का समाधान कर दिया, इसी तरह निरंतर कार्यवाही की जा रही है जिससे अतिक्रमण करता भया क्रांत है।

रज्जू भैया विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 81,882 विद्यार्थियों को मिली उपाधि, 236 मेधावियों का सम्मान







अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में गुरुवार को प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय का नौवां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। समारोह में 81,882 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं, जबकि उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 236 विद्यार्थियों को 242 पदकों से सम्मानित किया गया। पदक प्राप्त करने वालों में छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक रही।

समारोह में राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के नए अकादमिक भवन, लर्निंग रिसोर्स सेंटर और समेकित सुविधा भवन का लोकार्पण किया। समाजसेवी अब्दुल सत्तार बापू को मानद डी.लिट. की उपाधि प्रदान की गई। साथ ही उत्कृष्ट शिक्षकों, खिलाड़ियों और एचपीवी टीकाकरण अभियान में योगदान देने वाले अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को डिजिलॉकर के माध्यम से डिग्री डाउनलोड करने के लिए प्रेरित करते हुए विश्वविद्यालयों से डिजिटल व्यवस्था को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि कौशल, नवाचार, अनुसंधान और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना है। उन्होंने विश्वविद्यालयों को महान विभूतियों के जीवन पर शोध, प्रतियोगिताएं और अध्ययन कार्यक्रम आयोजित करने के भी निर्देश दिए।

समारोह के दौरान प्रयागराज और कौशांबी के आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए 500 आंगनबाड़ी किट वितरित की गईं। वहीं 900 बेटियों का एचपीवी टीकाकरण भी कराया गया। राज्यपाल ने सभी शिक्षण संस्थानों में इस अभियान को और तेज करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और कौशल विकास कार्यक्रम युवाओं को रोजगार के साथ स्वरोजगार के लिए भी तैयार कर रहे हैं। विश्वविद्यालयों को खाली भवनों में कौशल विकास केंद्र संचालित कर पढ़ाई छोड़ चुके युवाओं को भी प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने की पहल करनी चाहिए।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि रज्जू भैया विश्वविद्यालय लगातार शैक्षणिक गुणवत्ता में नए मानक स्थापित कर रहा है। उन्होंने पदक और उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने भी विद्यार्थियों को जीवन में चुनौतियों का सामना करते हुए सफलता की ओर बढ़ने का संदेश दिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) अखिलेश कुमार सिंह ने वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, शोध, नवाचार और डिजिटलीकरण संबंधी उपलब्धियों की जानकारी दी। समारोह में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में अतिथि उपस्थित रहे।

भूजल सप्ताह का शुभारंभ, जागरूकता रैली और प्रचार वाहन को जिलाधिकारी ने दिखाई हरी झंडी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भूजल सप्ताह-2026 के शुभारंभ पर गुरुवार को जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर से भूजल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन के प्रति जनजागरूकता के लिए प्रचार वाहन और स्कूली छात्र-छात्राओं की जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर बताया गया कि प्रचार वाहन जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों और विकासखंडों में पहुंचकर भूजल संरक्षण, जल के विवेकपूर्ण उपयोग और वर्षा जल संचयन के प्रति लोगों को जागरूक करेगा। वहीं छात्र-छात्राओं ने रैली के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया। रैली का समापन विकास भवन परिसर में हुआ। यहां भूजल रिचार्ज और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हस्ताक्षर अभियान का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

इस दौरान संबंधित विभागों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने जल के प्रबंधित उपयोग, संरक्षण और वर्षा जल संचयन की विभिन्न तकनीकों पर चर्चा की तथा उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ जिलाधिकारी ने की बैठक

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत गुरुवार को संगम सभागार, कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदेय स्थलों के पुनर्गठन (सम्भाजन) से संबंधित सुझावों और आपत्तियों के निस्तारण की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार



मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची 4 जुलाई 2026 को प्रकाशित की गई थी। इस पर विभिन्न मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों से प्राप्त सुझावों और आपत्तियों का संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा परीक्षण कर उनका निस्तारण किया गया है। बैठक में इसी प्रक्रिया की जानकारी साझा की गई।

बैठक में फाफामऊ विधायक गुरू प्रसाद मौर्य, फूलपुर विधायक दीपक कुमार पटेल और करछना विधायक पियूष रंजन निषाद सहित विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इसके अलावा सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाए रखने तथा मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा करने पर भी चर्चा की गई।

निर्माण श्रमिकों के लिए शुरू हुआ 'यूपी डिजिटल लेबर चौक' ऐप, रोजगार और योजनाओं की जानकारी मिलेगी एक ही मंच पर

अखंड भारत संदेश

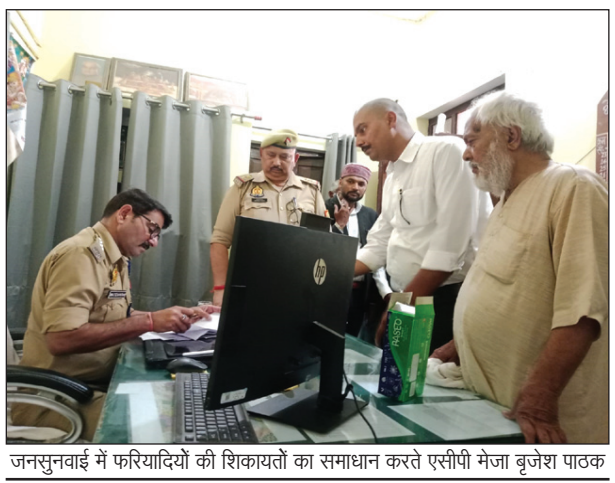
प्रयागराज। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड ने निर्माण श्रमिकों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आसान एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाने के लिए 'यूपी डिजिटल लेबर चौक' मोबाइल ऐप विकसित किया है। इस ऐप के माध्यम से श्रमिकों और नियोजकों को एक डिजिटल मंच पर जोड़ने का प्रयास किया गया है।

उप श्रमायुक्त सुमित कुमार ने बताया कि ऐप के जरिए निर्माण श्रमिक रोजगार के अवसरों की जानकारी प्राप्त कर सीधे नियोजकों से जुड़ सकेंगे। वहीं बिल्डर, ठेकेदार, निर्माण एजेंसियां और अन्य नियोजक भी ऐप पर पंजीकरण कर अपनी आवश्यकता के अनुसार कुशल एवं अकुशल श्रमिकों से संपर्क स्थापित कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि मोबाइल ऐप के माध्यम से श्रम विभाग और उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध होगी। इससे पात्र श्रमिक योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ लेने के लिए आवेदन कर सकेंगे। उप श्रमायुक्त ने निर्माण श्रमिकों और नियोजकों से अपील की है कि वे अपने एंड्रॉयड मोबाइल में गूगल प्ले स्टोर से यूपी डिजिटल लेबर चौक ऐप डाउनलोड करें और इसका अधिकतम उपयोग करें। साथ ही अन्य श्रमिकों और नियोजकों को भी इस डिजिटल सुविधा के बारे में जागरूक करें, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

एसीपी मेजा बृजेश पाठक ने जनसुनवाई कर फरियादियों की सुनीं शिकायतें दिये निर्देश

कहा - शासन के जीरो टॉलरेंस नीति की बेहद अहम कड़ी है जनसुनवाई,शिकायतों को गंभीरता से लें संबंधित पुलिस कर्मी इसके निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होगी स्वीकार्य

अखंड भारत संदेश



जनसुनवाई में फरियादियों की शिकायतों का समाधान करते एसीपी मेजा बृजेश पाठक

मेजा। गुरुवार को सहायक पुलिस आयुक्त मेजा बृजेश पाठक ने स्वयं के कार्यालय में जनसुनवाई कर आए हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना और उसके निस्तारण हेतु संबंधितों को कड़े एवं आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि जनसुनवाई शासन के जीरो टॉलरेंस नीति की एक अहम कड़ी है इसके निस्तारण अथवा सुनवाई में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। उल्लेखनीय है कि सर्किल में लगातार भ्रमणशील एसीपी मेजा श्री पाठक जहां कानून व्यवस्था को लेकर शासन की जीरो टॉलरेंस की नीति पर एक्टिव हो एक्शन में हैं वहीं सर्किल के आमजन की समस्याओं के प्रति भी वे बेहद गंभीर हैं। बता दें कि स्थानीय थानों से न्याय की दरकार में परेशान हो अधिकांशतः लोग एसीपी मेजा की जनसुनवाई में आते हैं और वर्षों पुरानी समस्याओं का निस्तारण होने पर उनकी प्रशंसा करते हुए कहते हैं कि अधिकारी हो तो एसीपी मेजा जैसा। गौरतलब है कि बेहद सरल स्वभाव के न्यायिक अधिकारी श्री पाठक जनसुनवाई में आने वाले शिकायत कताओं की शिकायतों को बेहद गंभीरता से हैं और उसके समाधान हेतु संबंधितों को त्वरित आवश्यक एवं कड़े निर्देश देते हैं। श्री पाठक का मानना है कि यदि जनसुनवाई में आने वाली शिकायतों का समयानुकूल समाधान कर दिया जाय तो फरियादियों को बार-बार थानों एवं चौकियों का चक्कर काटना नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई शासन की जीरो टॉलरेंस नीति की एक अहम कड़ी है। जनसुनवाई की शिकायतों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। इस मौके पर हेड पेशकर राधेश्याम त्रिपाठी, दूर दराज क्षेत्रों से आये फरियादी और उनके अधिवक्ता प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

औद्योगिक क्षेत्र में कमरे में फंदे से लटका मिला युवक, मौत

नैनी। नैनी औद्योगिक क्षेत्र के पुरवा खास में गुरुवार को एक युवक ने कमरे का दरवाजा बंद कर फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होने पर परिजन उसे तत्काल एक निजी अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक औद्योगिक थाना क्षेत्र के पुरवा खास निवासी अंकित (28) के रूप मे हुई। पुलिस के अनुसार युवक ने कमरे का दरवाजा बंद कर फांसी लगाकर आत्महत्या की। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संजीवनी हरियाली अभियान के तहत कुकरहटा गांव में वृक्षारोपण एवं जागरूकता गोष्ठी आयोजित, 1850 पौधों का वितरण

कोरांव (प्रयागराज)। संजीवनी हरियाली अभियान के तहत कुकरहटा गांव में वृक्षारोपण एवं जागरूकता गोष्ठी गुरुवार को विकास खंड कोरांव के कुकरहटा गांव स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में संजीवनी हरियाली अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जागरूकता गोष्ठी एवं पौध वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान का लक्ष्य एक लाख पौधों का रोपण करना है।कार्यक्रम में लगभग 112 ग्रामीणों, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं, ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सक्षम आनुषांगिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कमलकांत पांडेय ने अपने संबोधन में प्रत्येक परिवार को अपने घर के आसपास तथा किचन गार्डन विकसित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि घर के आसपास फल एवं सब्जियों के पौधे लगाने से परिवार को पौष्टिक आहार उपलब्ध होता है, साथ ही पेड़ छाया, स्वच्छ वातावरण और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



कार्यक्रम के दौरान संस्था के सचिव उदित नारायण शुक्ल ने सभी अतिथियों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए प्रत्येक परिवार से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का आग्रह किया। इस अवसर पर गांव के प्रत्येक परिवार को 3झ4 पौधे वितरित किए गए। पूरे गांव में कुल 1,850 पौधों का वितरण किया गया, जिनमें सहजन (मोरिंगा), अमरूद, आंवला, शहतूत, कटहल, आम, नींबू सहित विभिन्न फलदार एवं उपयोगी प्रजातियों के पौधे शामिल थे। प्रधान प्रतिनिधि ज्योति प्रकाश सिंह (बाबा) ने भी ग्रामीणों को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी सुरक्षा और संरक्षण का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में अरुणा द्विवेदी, प्रीतु सिंह, नीरज कुमारी सौरभ शुक्ल सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे कार्यक्रम का समापन सभी ग्रामीणों द्वारा पौधों के संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन का सामूहिक संकल्प लेने के साथ हुआ। यह आयोजन संजीवनी हरियाली अभियान के अंतर्गत एक लाख पौधे लगाने के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

स्कूल चलो अभियान के तहत सिलौधी कलां में निकाली गई जनजागरूकता रैली



स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकालते स्कूल के बच्चे और शिक्षक

मेजा। मेजा के उच्च प्राथमिक विद्यालय सिलौधी कलां में प्रधानाध्यापक विवेकानंद पांडेय के नेतृत्व में जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जिसका मार्गदर्शन सहायक अध्यापक रवि शंकर ने किया। रैली में शिक्षकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और अभिभावक शामिल हुए। रैली विद्यालय से शुरू होकर गांव की प्रमुख गलियों से होते हुए वापस विद्यालय पहुंची। इस दौरान ₹बेटी पढ़ाओ, बेटी बढ़ाओ₹ और ₹स्कूल चलो, भविष्य बनाओ₹ के नारे लगाए गए। कार्यक्रम के दौरान प्रेरक प्रसंग में बताया गया कि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है। विद्यालय के इंचार्ज ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजेने की अपील किया।

मेजारोड में भगवान जगन्नाथ की दिव्य रथयात्रा में उमड़ा क्षेत्र के श्रद्धालुओं का जनसैलाब

मानस प्रचारिणी समिति के अध्यक्ष ई नित्यानंद उपाध्याय के नेतृत्व में आयोजित इस धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र के लोगों में रहा भारी उत्साह, मेजारोड पांती स्थित सिद्ध हनुमान मानस मंदिर से निकली रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ के जयकारों से गूंजा संपूर्ण क्षेत्र

अखंड भारत संदेश



पांती के सिद्ध हनुमान मानस मंदिर भगवान जगन्नाथ निकलती रथयात्रा

मेजा। मानस प्रचारिणी समिति के अध्यक्ष ई.पंडित नित्यानंद उपाध्याय के नेतृत्व में गुरुवार को मेजारोड के पांती स्थित सिद्ध हनुमान मानस मंदिर से डीजे और ढोल नगाड़ों के साथ भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य एवं दिव्य रथयात्रा बड़े श्रद्धाभाव और उत्साह के साथ निकाली गई। इस दौरान जय जगन्नाथ के जयघोष से संपूर्ण वातावरण गूंज उठा। भगवान जगन्नाथ के इस भव्य रथयात्रा में शामिल होकर हजारों श्रद्धालु भक्तों ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। रंग बिरंगे फूलों, आकर्षक वस्त्रों और मनोहारी रोशनी से सजाधजा भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का दिव्य एवं भव्य रथ श्रद्धालुओं के मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। रथयात्रा के दौरान श्रद्धालु भक्तों ने पूरे मार्ग में पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत और जयकारा लगाते रहे। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने



रथयात्रा में शामिल क्षेत्र के संभ्रांत लोग

शिरकत कर भक्ति और आस्था का बड़ा संदेश दिया। यात्रा के दौरान भजन-कीर्तन और धार्मिक धुनों पर झूमते और जयकारा लगाते भक्तों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना रहा। सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस बल और प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ जहां तैनात रहा। वहीं मंदिर समिति के सक्रिय सदस्यों, पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह पेयजल, प्रसाद और अन्य आवश्यक सुविधाओं का बेहतर इंतजाम कर रखा था। रथयात्रा में बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ से क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना किया। बता दें कि इस धार्मिक रथयात्रा आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र के श्रद्धालु भक्तों में भारी उत्साह देखा गया। इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी सिद्धांत तिवारी, व्यापार मंडल अध्यक्ष मेजारोड पप्पू उपाध्याय, पूर्व ब्लाक प्रमुख मुन्नन शुक्ला, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्र, विजयकांत मिश्रा, नाथू गुप्ता, प्रधान लखनपुर संदीप तिवारी अभिषेक तिवारी, मनीष पांडेय, भोला गौतम, राहुल मिश्रा, अवनीश दुबे, बीजू पांडेय, शिवम शुक्ला, सबल तिवारी तथा आशुतोष प्रजापति आदि के अलावा कई अन्य संभ्रांत लोग प्रमुख रूप से रथयात्रा में शामिल रहे।

प्रभारी मंत्री ने जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

स्वास्थ्य, जल निगम एवं बिजली व्यवस्था पर प्रभारी मंत्री सख्त, अधिकारियों को लगाई फटकार

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा चिकित्सा स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभागध्जनपद के प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने विकास भवन सभागार में केन्द्र एवं राज्य सरकार की संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी डा0 राममोहन मीना, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद सहित जिला स्तरीय अधिकारी सम्मिलित हुये।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत) की प्रगति पर चर्चा करते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि मई माह में 2,745 तथा जून माह में 1,698 आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। इस पर प्रभारी मंत्री ने अब तक बनाए गए कुल आयुष्मान कार्डों तथा योजना के अंतर्गत उपचार प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की संख्या पूछी, लेकिन स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा सकी। इस पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि अब तक बने सभी आयुष्मान कार्डों एवं उपचारित लाभार्थियों का विस्तृत विवरण तैयार कर जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराया



जाए। मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान सरकारी एवं निजी अस्पतालों में मई माह में 4,911 तथा जून माह में 5,249 प्रसव होने की जानकारी दी गई। विस्तृत रिपोर्ट के परीक्षण में आंकड़ों में अंतर पाए जाने पर प्रभारी मंत्री ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी को प्रसव संबंधी रिपोर्टिंग की जांच कराने तथा 15 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में परिवार नियोजन, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। प्रभारी मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी एवं गंभीरता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। पेयजल योजनाओं की समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री ने अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया कि पाइपलाइन बिछाने के लिए जिन सड़कों की खुदाई की गई है, उनकी तत्काल मरम्मत कर उन्हें पूर्व स्थिति में लाया जाए तथा इसकी सूचना उपलब्ध कराई जाए। वहीं विद्युत विभाग की समीक्षा में बिजली व्यवस्था पर असंतोष व्यक्त करते हुए अधीक्षण अभियंता विद्युत को व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत सरोवर, पंचायत भवन, अंत्येष्टि स्थल, व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालय, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उर्वरक व्यवस्था, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पर ड्रॉप मोर क्रॉप), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, वृद्धावस्था पेंशन, छात्रवृत्ति, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, दिव्यांग एवं निराश्रित महिला पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, नई ड्राई राशन व्यवस्था, स्कूल चलो अभियान, निर्माण श्रमिक पंजीकरण, गो-आश्रय स्थल तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के अंत में जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने प्रभारी मंत्री को आश्वस्त किया कि समीक्षा बैठक में दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा, साथ ही सभी विभागों की नियमित समीक्षा कर जवाबदेही तय की जाएगी, ताकि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से आमजन तक पहुंच सके।

न्यूज झरोखा

डॉ. प्रतिभा को मिली पीएचडी, खुशी



प्रतापगढ़। विकासखंड लक्ष्मणपुर अंतर्गत इटौरी पूरे मकन निवासी शिक्षक शशिप्रकाश मिश्र की सुपुत्री डॉ. प्रतिभा मिश्रा ने पीएचडी उपाधि हासिल कर घर परिवार व क्षेत्र का मान बढ़ाया है। शिक्षाविद स्व. रामकिशोर मिश्र की पौत्री डॉ. प्रतिभा को मिली सफलता पर गुरुवार को शिक्षक ज्ञानप्रकाश मिश्र के संयोजन में सगरा सुंदरपुर में हुई बैठक में लोगों ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराकर खुशी साझा की। डॉ. प्रतिभा ने यह उपाधि इविंग क्रिश्चियन कॉलेज प्रयागराज के वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. संजय कुमार मिश्र के मार्गदर्शन में लैमियासी परिवार के कतिपय औषधीय पौधों की भेषजगुण विज्ञानी गतिविधि एवं एंटीऑक्सीडेंट गुणों का मूल्यांकन तथा स्तन कैंसर कोशिकाओं पर इसके मुख्य प्रभाव विषय पर शोध पर हासिल की। पीएचडी उपाधि मिलने पर अनिलप्रकाश मिश्र, संतोष मिश्र, उमाशंकर मिश्र, कुलदीप तिवारी, प्रमोद मिश्र, विनोद मिश्र, राजेंद्र मिश्र, नागेश, चंदन आदि ने खुशी साझा की है।

मीडिएशन सेन्टर ने दो परिवार टूटने से बचाया, कराया समझौता, दोनों की हुई विदाई



प्रतापगढ़। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रतापगढ़ के अध्यक्ष/जनपद न्यायाधीश राजीव कमल पाण्डेय के आदेशानुसार चल रहे मध्यस्थता अभियान के अंतर्गत आज सिविल जज सी डिध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाम्भवी के निर्देशन में आज मध्यस्थता केन्द्र सिविल कोर्ट से विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी एडवोकेटध्मीडिएटर ने आपसी सुलह समझौता से पति पत्नी के दो जोड़ों की विदाई कराकर विवाद को समाप्त कराया और दो परिवार को टूटने से बचा लिया। ज्ञात हो कि परवीता व लालजी तिवारी (पति पत्नी) के बीच कई वर्षों से चल रहे विवाद में आज दोनों पक्ष ने आपसी विवाद और मतभेद को समाप्त करते हुए साथ साथ रहने का निर्णय ले लिया। दोनों के संसर्ग से दो पुत्रीयां हैं। बड़ी पुत्री का विवाह हो चुका है। इसी प्रकार एक अन्य दूसरे वैवाहिक विवाद में पति विनोद कुमार और पत्नी भावना देवी के बीच वैचारिक विवाद और मतभेद चल रहे थे जिसके कारण दोनों के बीच प्री लिटीगेशन वाद विचाराधीन था। मध्यस्थता केन्द्र में आज विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी एडवोकेट मीडिएटर के द्वारा दोनों पक्ष को समझाया गया जिस पर दोनों पक्ष ने आपसी सहमति से साथ साथ रहने और वैवाहिक सम्बन्ध बनाए रखने का निर्णय लिया। इस अवसर पर राम प्रकाश ओझा एडवोकेट, गजेन्द्र कुमार ओझा एडवोकेट, उदरेज कुमार यादव एडवोकेट, अनिल कुमार उपाध्याय एडवोकेट मीडिएटर, गौरव कुमार मिश्रा एडवोकेट आदि उपस्थित रहे।

वांछित गिरफ्तार, भेजा गया जेल

लालगंज। कोतवाली पुलिस ने कान काट कर गंभीर रूप से घायल करने के आरोपी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। कोतवाली के दरोगा दीपक कुमार पुलिस बल के साथ गुरूवार की सुबह गश्त पर निकले थे। इसी बीच मुखबिर की सूचना पर कान काट कर युवक को घायल करने के मुकदमे मे वांछित बलभद्र का पुरवा वीरसिंहपुर निवासी छेदीलाल सरोज उर्फ विकास पुत्र गनेशी लाल को नौढ़िया पेट्रोल पम्प के पास से गिरफ्तार किया। दरोगा ने बताया कि गिरफ्तार किये गये आरोपी को जेल भेज दिया गया।

डीएम से अवैध कब्जे की हुई शिकायत

प्रतापगढ़। जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर पीड़िता ने जिलाधिकारी से शिकायत की है। सांगीपुर थाना के नवाबाद गांव की गुलाबा देवी पत्नी रामकेवट ने जिलाधिकारी को भेजे गए शिकायती प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि उसकी बैनामाशुदा जमीन पर विपक्षी अवैध रूप से कब्जा कर लिए है। पीड़िता ने जिलाधिकारी से अवैध कब्जा हटवाने की गुहार लगायी है। जिलाधिकारी ने एसडीएम व सीओ को संयुक्त रूप से मामले की जांच कराकर कार्रवाई के निर्देश दिये हैं।

बैठक कर भू-जल संरक्षण को किया प्रेरित

प्रतापगढ़। विकासखण्ड लक्ष्मणपुर अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय काछा में गुरूवार को भू-जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत में लोगों ने अमरूद, जामुन व आम आदि के फलदार व छायादार पौधों का रोपण कर पर्यावरण का संदेश दिया। कार्यक्रम में पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी ने कहा कि भूजल संरक्षण व वर्षा जल संचयन समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। कार्यक्रम में प्रधान अरविन्द यादव ने मेडबंदी कर खेत का पानी खेत में ही रोकने तथा वर्षा जल के संचयन को प्रेरित किया। इस मौके पर सूर्यप्रकाश पाण्डेय, बाल कृष्ण, वीरेन्द्र यादव, राजीव आदि मौजूद रहे।

छेड़खानी का विरोध करने पर महिला को पीटा, 14 पर केस

कुंडा। महेशगंज थाना क्षेत्र के एक गांव के युवक ने न्यायालय में वाद दायर किया। आरोप है कि 1 जनवरी 2026 की शाम चार बजे उसकी पत्नी जानवरों को चारा देने गई थी। तभी गांव के कुछलोग उसका हाथ पकड़कर घसीटने लगे। छेड़खानी करते हुए उसके कपड़े फाड़ दिए। शोरगुल की आवाज सुनकर वह और दूसरे लोग दौड़े तो आरोपी भाग निकले। परिजनों को उलाहना देने गए तो आरोपियों ने गालियां देते हुए मारपीट की। पुलिस को मामले की तहरीर देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने 10 लोगों को नामजद करते हुए चार अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

गर्भवती ने खुद पर डीजल डालकर लगाई आग

कुंडा। ईंट भट्ठे पर काम करने छत्तीसगढ़ गए मजदूर के साथ आई महिला ने गुरुवार दोपहर जान देने के इरादे से खुद पर डीजल उड़ेलकर आग लगा ली। इससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। परिजन उसे लालगंज ट्रामा सेंटर ले गए। वहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जेठवारा थाना क्षेत्र के डेरवा के खटवारा गांव निवासी राहुल वर्मा का पहली पत्नी से विवाद के चलते अलगाव हो गया था। राहुल छत्तीसगढ़ ईंट भट्ठे पर काम करने गया तो वहां से 20 वर्षीय मुस्कान वर्मा को पत्नी बनाकर ले आया। वह आठ माह की गर्भवती है। वह गुरुवार दोपहर खाना बनाने के बाद अपने कमरे में चली गई। वहां पंपिंगसेट के इंजन के लिए रखा रखा डीजल खुद पर उड़ेलकर आग लगा ली। उसके चीखने की आवाज सुनकर परिवार के लोग पहुंचे और आग बुझाकर उसे लालगंज ट्रामा सेंटर ले गए। वहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। गांव में पति से विवाद के चलते आग लगाने की चर्चा रही। हालांकि पुलिस ने जानकारी से इनकार किया।

चोरी की बाइक के साथ शातिर चोर गिरफ्तार



पट्टी। कंधई पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार पीड़ित महेंद्र कुमार निवासी ग्राम गहरौली, थाना कोहंडौर ने 13 जुलाई 2026 को थाना कंधई में तहरीर देकर बताया था कि वह बोझी गांव में शटरिंग का कार्य कर रहे थे। इस दौरान कार्यस्थल के बाहर खड़ी उनकी हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना प्रभारी आदित्य सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर ढेलहा मोड़ के पास से मदन प्रजापति (32) निवासी खुसा का पुरवा (किशुनगंज), थाना कंधई को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने 13 जुलाई को बोझी गांव में निमार्णाधीन मकान के बाहर खड़ी बाइक चोरी की थी। वह पिछले दो दिनों से उसी बाइक से घूम रहा था और उसे बेचने की फिराक में था, लेकिन पुलिस चेकिंग के दौरान पकड़ा गया। आरोपी ने यह भी बताया कि वह पहले भी चोरी के मामले में जेल जा चुका है। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुंबई में करंट लगने से प्रतापगढ़ के युवक की मौत, गांव में मचा कोहराम

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के बड़ारी गांव निवासी एक युवक की मुंबई में करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। कोतवाली क्षेत्र के बड़ारी गांव निवासी 36 वर्षीय अशोक पाल मुंबई के बोईसर क्षेत्र में रहकर एक निजी कंपनी में कार्यरत था। बुधवार रात ड्यूटी से लौटने के बाद वह अपने कमरे में टेबल फैन लगा रहा था। इसी दौरान वह बिजली के करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जाता है कि अशोक कमरे में अकेले रहता था। आस-पास रहने वाले लोगों ने घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने गुरुवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे फोन के माध्यम से घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी। परिजनों के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 11 बजे पोस्टमार्टम के बाद एंबुलेंस से शव को बड़ारी गांव लाया जा रहा है। युवक की असामयिक मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक की लहर है।

समय से नहीं पहुंचे अधिकारी-कर्मचारी, जनता को लौटना पड़ा

दस बजकर तीस मिनट तक नहीं खुले बाबागंज ब्लॉक के कई पटल

अखंड भारत संदेश



कुंडा। बाबागंज विकासखंड कार्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही एक बार फिर उजागर हुई है। गुरुवार को निर्धारित कार्यालय समय के बाद भी कई महत्वपूर्ण पटलों पर ताले लटके मिले, जिससे फरियाद लेकर पहुंचे ग्रामीणों को मायूस होकर लौटना पड़ा। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 10.30 बजे तक मनरेगा सेल, खंड विकास अधिकारी पटल, कंप्यूटर ऑपरेटर कक्ष, एनआरएलएम कक्ष तथा समाज कल्याण विभाग सहित कई कार्यालय बंद पड़े थे। तकनीकी सहायक संजय यादव, राजकुमार यादव एवं विनोद शुक्ला को छोड़कर अधिकांश कर्मचारी समय पर नहीं पहुंचे थे। हालांकि स्थापना बाबू रामजन्म राम, एडीओ पंचायत केवला प्रसाद, लेखा सहायक विनोद द्विवेदी, जेई (एमआई) राम बहादुर कुशवाहा तथा एपीओ संतोष कुमार अपने कक्षों में कार्यरत मिले। एडीओ समाज कल्याण सुनील कुमार लगभग 10.30 बजे कार्यालय पहुंचे। इस संबंध में एडीओ पंचायत केवला प्रसाद ने बताया कि अनुपस्थित कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई गई है और मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। खंड विकास अधिकारी विजय शंकर मणि त्रिपाठी ने बताया कि उनके पास दो विकासखंडों का प्रभार है और आज वह रामपुर संग्रामगढ़ में मौजूद हैं। जिन पटलों पर अधिकारी-कर्मचारी नहीं पहुंचे, उनकी जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

तमंचा व कारतूस के साथ युवक धराया, गया जेल

लालगंज। कोतवाली पुलिस ने अवैध तमंचा व कारतूस के साथ एक आरोपी को धर दबोचा। गिरफ्तार किये गये आरोपी को जेल भेज दिया गया। कोतवाली के उप निरीक्षक रामनरेश बुधवार की रात पुलिस बल के साथ गश्त पर निकले थे। इसी बीच चेकिंग के दौरान लालगंज घुइसरनाथ मार्ग पर महिमापुर के पास अमेठी जनपद के पूरे हरबक्श तिवारी का पुरवा महमदपुर निवासी शिवम तिवारी उर्फ आदर्श पुत्र साधू तिवारी उर्फ शंकर को गिरफ्तार किया। उप निरीक्षक ने बताया कि कार से जा रहे आरोपी के पास चेकिंग के दौरान अवैध तमंचा व कारतूस की बरामदगी की गयी। कार को सीज कर दिया गया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज कर गुरूवार को जेल भेज दिया गया।

शादी का झांसा देकर भगाने और धर्म परिवर्तन के आरोप में युवक गिरफ्तार



कुंडा। थाना नवाबगंज पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती को भगाने और अवैध धर्म परिवर्तन के मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनंदन राय और क्षेत्राधिकारी कुंडा शिवनारायण वैस के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुरुवार को कार्रवाई की। प्रभारी निरीक्षक के अनुसार 03 जुलाई 2026 को ग्राम बरियावा निवासी एक व्यक्ति ने तहरीर दी थी कि ग्राम हरदेवनगर निवासी वशीम पुत्र हैदर अली उसकी 20 वर्षीय पुत्री को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर भगा ले गया। तहरीर में जान से मारने की धमकी और बिना सूचना निकाह करने का भी आरोप लगाया गया था। तहरीर के आधार पर थाना नवाबगंज में मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना में साक्ष्य मिलने पर धारा 142 बीएनएस व धारा 8(6) उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम की बढ़ोतरी की गई। गुरूवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने जमादार बाबा गेट, वाजिदपुर के पास से अभियुक्त वशीम पुत्र हैदर अली, उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम हरदेवनगर को गिरफ्तार कर लिया।

ई-रिक्शा से भिड़ी बाइक, गर्भवती महिला व मासूम बेटे की मौत

कुंडा। कोतवाली क्षेत्र के चैसा के समीप गुरुवार को बाइक और ई-रिक्शा की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में गर्भवती महिला और उसके मासूम बेटे की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद प्रयागराज रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, मानिकपुर थाना क्षेत्र के गोतनी गांव निवासी हरिश्चंद्र (26) पुत्र श्रीराम अपनी पत्नी बीनू और पुत्र युवराज के साथ बाइक से जा रहे थे। चैसा के पास उनकी बाइक की ई-रिक्शा से जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में हरिश्चंद्र की गर्भवती पत्नी बीनू और पुत्र युवराज गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि बीनू की डिलीवरी करीब पांच दिन बाद होनी थी। हादसे में एक अन्य व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हुआ, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए प्रयागराज रेफर किया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

राजा भैया ने क्ले पिजन ट्रैप में जीता कांस्य, 49वीं यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में प्रतापगढ़ का नाम रोशन



कुंडा। विधायक एवं एनआरएआई के आजीवन सदस्य कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया ने एक बार फिर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया है। नई दिल्ली स्थित डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित 49वीं यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप- 2026 में उन्होंने कांस्य पदक जीतकर प्रतापगढ़ और उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। राजा भैया ने एस-25 क्ले पिजन ट्रैप शूटिंग (एनआर) पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में हिस्सा लिया। कड़े मुकाबले के बीच उन्होंने शानदार एकाग्रता और सटीक निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 25 का स्कोर बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया। देश की प्रतिष्ठित शूटिंग रेंजों में शुमार डॉ. करणी सिंह रेंज में प्रदेश भर के अनुभवी और युवा निशानेबाजों ने भाग लिया। व्यस्त राजनीतिक जीवन के बावजूद खेल के प्रति समर्पण और निरंतर अभ्यास के चलते राजा भैया ने यह उपलब्धि हासिल की। मेडल जीतने की सूचना मिलते ही कुंडा और प्रतापगढ़ में खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों ने मिठाई बांटकर जश्न मनाया। लोगों का कहना है कि राजा भैया ने राजनीति के साथ-साथ खेल के मैदान में भी अपनी धमक दिखाई है। राजा भैया की यह जीत युवाओं के लिए प्रेरणा है। उन्होंने साबित किया कि इच्छाशक्ति हो तो सार्वजनिक जीवन के साथ खेल में भी उत्कृष्टता हासिल की जा सकती है।

जन्मदिन पर बाबा धाम में हवन पूजन, विविध स्थानों पर केक काटकर साझा हुई खुशियां



लालगंज। राज्यसभा में विपक्ष के उप नेता प्रमोद तिवारी के जन्मदिन पर गुरूवार को प्रशंसको व कार्यकताओं द्वारा रामपुरखास विधानसभा क्षेत्र में विविध आयोजन हुए। सांसद प्रमोद तिवारी के दीघार्यु होने की कामना को लेकर सदभावना सभा, पौधरोपण, हवन पूजन, प्रसाद वितरण तथा धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन हुए। विविध आयोजनों में सांसद प्रमोद तिवारी तथा क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के नेतृत्व की मजबूती के प्रति सेवा संकल्प अभियान का सामूहिक प्रतिज्ञान भी हुआ दिखा। प्रातः कांग्रेसियो व समर्थको ने संयोजक ज्ञानप्रकाश शुक्ल, ब्लाक प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह पंकज, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी के साथ बाबा घुइसरनाथ धाम पहुंचकर देवाधिदेव महादेव का जलाभिषेक व पुष्पाभिषेक करते हुए प्रसाद अर्पण किया। यहां हवन पूजन का धार्मिक आयोजन भी हुआ। इसका संयोजन प्रभात ओझा एवं त्रिभु तिवारी ने संयुक्त रूप से किया। इसके पहले लालगंज के ट्रामा सेण्टर, सीएचसी तथा महिला एवं बाल चिकित्सालय में सांसद प्रमोद तिवारी के जन्मदिन पर सांसद प्रमोद तिवारी के दीघार्यु होने की कामना को लेकर समर्थकों ने मरीजों व तीमारदारों को फल वितरित किये। इसका संयोजन समाजसेवी पप्पू तिवारी, सभासद दारा सिंह, सभासद आशीष कौशल, छोटे लाल सरोज, पं. श्रीकांत मिश्र ने किया। यहां अधिवक्ता मोनू पाण्डेय के संयोजन में सीएचसी परिसर में बडी संख्या मे पौध भी रोपित किये गये। लालगंज स्थित कैम्प कार्यालय पर संस्कृत विद्वान डॉ. शिवमूर्ति शास्त्री के वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य समर्थकों व कार्यकताओं ने भगवान श्री सत्य नारायण की कथा सुनीं। वहीं भजन गायक राजेश शुक्ल के संयोजन में संगीतमयी सुन्दरकाण्ड में श्रीराम दरबार की भव्य आरती उतारी गयी। शंखध्वनि के बीच हवन एवं आरती पूजन के बाद आयोजकों द्वारा लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। यहां भजन संध्या में डॉ0 बच्चाबाबू वर्मा व डॉ0 अनुज नागेन्द्र ने भगवान की महिमा का गुणगान किया। संचालन सह संयोजक अधिवक्ता विकास मिश्र ने किया। रामपुर संग्रामगढ़ ब्लाक परिसर में समर्थकों व पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा सांसद प्रमोद तिवारी के जन्मदिन पर केक काटकर खुशी मनायी गयी। सांसद प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी तथा पूर्व प्रमुख पुष्पा देवी ने समर्थकों के साथ केक काटा। कार्यक्रम का संयोजन पूर्व प्रमुख भुवनेश्वर शुक्ल ने किया। इस मौके पर जिपंस दिलीप पाण्डेय, सोनू तिवारी, मोहित सिंह आदि रहे। जलेशरगंज में भी सांसद प्रमोद तिवारी के जन्मदिन पर लालगंज प्रमुख अमित प्रताप सिंह पंकज व सांसद प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी आदि ने केक काटकर खुशी जतायी। इसका संयोजन आदित्य तिवारी ने किया। इस मौके पर अभिनव शुक्ला, माता प्रसाद पाण्डेय, भूपेन्द्र तिवारी काजू आदि रहे। बारेडीह चैराहे पर सभासद मो0 मुकीम खॉन, बेलाल रहमानी, बाबर खान, नवाज खान, हैदर खान आदि ने केक काटकर सांसद प्रमोद तिवारी की लम्बी उम्र की दुआ की। इस मौके पर समाजसेवी विभवभूषण शुक्ल, पवन शुक्ल, बृजेश द्विवेदी, सभासद पन्नालाल पाल, गीता सिंह, राजकुमार सिंह, दिनेश सिंह, रामू मिश्र, अशोक मिश्र, इं. रमेश शुक्ला, मुरलीधर तिवारी आदि रहे। सह संयोजन ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष केडी मिश्र ने किया।

पूर्व प्रधान 38.42 ग्राम एमडी के साथ गिरफ्तार

पट्टी। कंधई पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ अभियान के तहत एक पूर्व प्रधान को 38.42 ग्राम एमडी (मेफेड्रोन) के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया।उपनिरीक्षक विवेक कुमार यादव ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति मादक पदार्थ लेकर सराय जम्मुअरी नहर पुलिया के पास खड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम ने बुधवार रात करीब घेराबंदी कर पूरा देवजानी निवासी पूर्व प्रधान जुनैद अहमद पुत्र अब्दुल सलाम को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 38.42 ग्राम एमडी और 240 रुपये नकद बरामद हुए। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह मादक पदार्थ की बिक्री करता है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। बरामद मादक पदार्थ को सील कर विधिक कार्रवाई की गई।

टेंट हाउस में आग से लाखों का नुकसान, पीड़ित परिवार से मिले पूर्व मंत्री मोती सिंह



पट्टी। क्षेत्र के मुजाही बाजार में टेंट हाउस के गोदाम में आग लगने से हुए नुकसान के बाद गुरुवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह मोती सिंह पीड़ित परिवार के घर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर घटना पर दुख व्यक्त किया और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। बुधवार रात करीब आठ बजे मुजाही बाजार स्थित शिव कुमार पटेल के टेंट हाउस के गोदाम में अज्ञात कारणों से आग लग गई थी। आग की चपेट में आने से गोदाम में रखा टेंट हाउस का लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। घटना से परिवार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। घटना की जानकारी मिलने पर गुरुवार दोपहर पूर्व मंत्री मोती सिंह पीड़ित परिवार के घर पहुंचे। उन्होंने परिवार के सदस्यों का हालचाल जाना, उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि इस कठिन समय में वह उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

दुर्घटना के बाद वाहन चालक वाहन समेत फरार हो गया

अखंड भारत संदेश



तिल्हापुर मोड़ कौशाम्बी पिपरी थाना क्षेत्र के चायल नईम मियां का पूरा स्थित पेट्रोल पंप के पास गुरुवार दोपहर को सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है दुर्घटना के बाद वाहन चालक वाहन समेत फरार हो गया है जानकारी के मुताबिक मनौरी पावर हाउस निवासी वीरेंद्र कुमार उम्र 32 वर्ष पुत्र राम सजीवन बाइक संख्या वढ 73 9285 से गुरुवार की दोपहर चायल कस्बा से अपने घर लौट रहे थे जैसे ही बाइक सवार चायल नईम मियां का पूरा स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचे मनौरी की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया बताया जाता है कि घटना स्थल पर उसकी मौत हो गई दुर्घटना देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई हादसे में गंभीर रूप से घायल वीरेंद्र कुमार को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चायल भेजा गया,जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना करने वाले वाहन एवं उसके चालक की तलाश पुलिस कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में तहरीर प्राप्त होने पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य बनी हुई है।

पति की पिटाई से पीड़ित महिला के गायब होने के बाद पति ने समधी के साथ फरार होने का लगाया आरोप

कौशांबी कोखराज थाना क्षेत्र के एक गांव की एक बालिका की शादी मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के छोकरियां का पुरवा गांव में हुई थी बालिका की मां को उसका पति आए दिन तरह-तरह के अभद्र आरोप लगाकर मारपीट करता है महिला को प्रताड़ित करता है जिससे बालिका की मां अपने पति से पीड़ित हो गई है 15 जुलाई को महिला के साथ उसके पति ने फिर मारपीट किया जिसके बाद पति की पिटाई से पीड़ित महिला अपना घर पति बच्चों को छोड़कर चली गई है महिला के गायब होने के बाद महिला के बेटे ने मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के छोकरियां का पुरवा गांव में ब्याही अपने बहन के घर में महिला के बारे में जानकारी किया तो बेटी के ससुराल यानी समाधि के घर भी महिला नहीं पहुंची है और अन्य रिश्तेदारियों में भी जानकारी किया तो महिला रिश्तेदारों के घर भी नहीं पहुंची है बेटी के ससुर यानी समधी अपने घर में मौजूद मिले हैं घर से गायब होने के बाद पत्नी को पीटने वाले पति ने गुरुवार को लंबा चौड़ा ड्रामा करना शुरू कर दिया पुलिस थाने से लेकर मीडिया के बीच में खड़े होकर बयान देना शुरू कर दिया है कि उसकी पत्नी सात बच्चों को छोड़कर मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र में बेटी के ससुर यानी समधी के साथ फरार हो गई है जबकि समधी भी अपने घर में मौजूद है और समधी के घर में समधन महिला नहीं पहुंची है जिससे पति के बयान पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं जब अन्य लोगों से बात की गई तो मालूम चला कि महिला का पति जल्लादों की तरह महिला को प्रताड़ित करता है अभद्र आरोप लगाकर महिला के साथ मारपीट करता है महिला पर तरह-तरह के आरोप पति पूर्व में भी लगाता रहा है जिससे महिला अपने पति से प्रताड़ित है और अपने पति के प्रताड़ना से पीड़ित महिला घर छोड़कर चली गई है समधी के साथ महिला के फरार होने की पति द्वारा बताई गई बात में तमाम झोल है महिला इस समय कहां है इस बारे में पुलिस को जांच कर महिला को खोजने की जरूरत है

न्यूज झरोखा

सांसद पुष्पेंद्र सरोज ने विभिन्न गांवों में लगाई चौपाल, सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं



हर्रायपुर कौशाम्बी क्षेत्रीय सांसद पुष्पेंद्र सरोज ने जनसंपर्क अभियान के तहत गुरुवार को छीतापुर,राजू यादव के आवास, मोहनापुर,हथिया भीट सहित विभिन्न गांवों में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। चौपाल कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सांसद ने केंद्र एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लोगों से योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है और विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इस अवसर पर कार्यकर्ताओं के साथ संगठन की मजबूती,क्षेत्र के विकास और आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा की गई। ग्रामीणों ने सड़क, बिजली,पेयजल तथा अन्य स्थानीय समस्याओं से सांसद को अवगत कराया जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों से आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया।चौपाल कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता,जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

भीषण गर्मी में बिजली संकट से मचा हाहाकार

सैंता पावर हाउस क्षेत्र में 24 घंटे में महज 6 घंटे मिल रही बिजली, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

हर्रायपुर कौशाम्बी भीषण गर्मी के बीच सैंता पावर हाउस के अंतर्गत आने वाले गांवों में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि 24 घंटे में केवल 6 घंटे ही बिजली की आपूर्ति हो रही है। लगातार हो रही अघोषित कटौती और बार-बार ट्रिपिंग से लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। जुलाई के महीने में बरसात न होने से किसानों की फसल की बुवाई नहीं हो रही है और बिजली सप्लाई न मिलने से नलकूप बंद हो गए हैं बिजली संकट को लेकर ग्रामीणों में विद्युत विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि दिन हो या रात,अधिकांश समय बिजली गायब रहती है। रात में बिजली न मिलने से लोग भीषण गर्मी और उमस में जागकर रात बिताने को मजबूर हैं।छोटे बच्चों,बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली न होने से पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हो गई है, क्योंकि अधिकांश घरों में पानी की आपूर्ति बिजली चालित मोटरों पर निर्भर है।किसानों ने बताया कि पर्याप्त बिजली न मिलने से खेतों की सिंचाई प्रभावित हो रही है,जिससे फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। वहीं छोटे दुकानदारों और घरेलू कारोबार करने वाले लोगों का काम भी बिजली संकट के कारण प्रभावित हो रहा है।ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद विभागीय अधिकारी केवल आश्वासन देते हैं,लेकिन बिजली व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हो रहा है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही नियमित और पर्याप्त बिजली आपूर्ति शुरू नहीं की गई तो वे विद्युत विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी एवं विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि सैंता पावर हाउस की विद्युत व्यवस्था में तत्काल सुधार कराया जाए और निर्धारित रोस्टर के अनुसार निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। पूरे जिले में विद्युत सप्लाई से आम जनता किसान परेशान हो गए हैं ग्रामीणों की प्रमुख मांग में 24 घंटे में पर्याप्त एवं नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए अघोषित बिजली कटौती पर तत्काल रोक लगाई जाए बार-बार होने वाली ट्रिपिंग और तकनीकी खराबियों का स्थायी समाधान किया जाए।अधिकारियों द्वारा शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

ग्राम चौपाल लगाकर डीएम ने सुनी ग्रामवासियों की समस्याएं

ग्राम में कैम्प लगाकर छूटे हुए सभी पात्र लोगों को लाभान्वित करने के डीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

अखंड भारत संदेश



कौशांबी जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने गुरुवार को गॉव की समस्या,गॉव में समाधान के अन्तर्गत विकास खण्ड मंझनपुर की ग्राम-टेवा में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामवासियों की समस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए जिलाधिकारी ने ग्राम के लाभार्थियों से पुष्टाहार मिलने, पेंशन, शौचालय का लाभ मिलने, राशन मिलने, कन्या सुमंगला योजना एवं आवास आदि योजनाओं से लाभान्वित होने की जानकारी प्राप्त करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि ग्राम में कैम्प लगाकर छूटे हुए सभी पात्र लोगों को शीघ्र लाभान्वित किया जाए। उनके द्वारा नजदीकी सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करने पर ग्रामवासियों ने बताया कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने प्रभारी चिकित्साधिकारी को आवश्यक दवाओं एवं एंटी स्नेक वेनम की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित बनाए रखने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्री से ग्राम में सैम बच्चों की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि सैम बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र अवश्य भर्ती कराया जाए। उन्होंने नायब तहसीलदार को राजस्व से संबंधित शिकायतों को मौके पर जाकर निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार प्रदान किया एवं बच्चों को अन्नप्राशन भी कराया। इसके साथ ही उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड भी प्रदान किया। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को पशुओं का टीकाकरण कराने के निर्देश दिए।ग्राम चौपाल में ग्रामवासियों ने बताया कि रात्रि में विद्युत की कटौती होती है, जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, विद्युत से कहा कि शासन द्वारा निर्धारित समयावधि तक विद्युत आपूर्ति एवं कैम्प लगाकर विद्युत से संबंधित शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।परियोजना निदेशक ने बताया कि आवास प्लस सर्वे के अंतर्गत 118 परिवारों को चिन्हित किया गया है। जिला पंचायतराज अधिकारी ने बताया कि ग्राम में 922 लोगों को व्यक्तिगत शौचालय का लाभ दिया गया है एवं कुछ नए आवेदन प्राप्त हुए हैं, पात्र लोगों को शीघ्र लाभान्वित कर दिया जाएगा। ग्राम में अधिष्ठापित सभी हैंडपम्प क्रियाशील हैं।जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि ग्राम में 218 लोगों को वृद्धावस्था पेंशन का लाभ मिल रहा है एवं परिवार रजिस्टर से मिलन के उपरांत और 39 पात्र लोगों को चिन्हित किया गया है, जिन्हें शीघ्र लाभान्वित किया जाएगा। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि ग्राम में 117 लाभार्थियों को निराश्रित महिला पेंशन का लाभ मिल रहा है। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ने बताया कि ग्राम में 57 दिव्यांगजनों को पेंशन का लाभ मिल रहा है।ग्राम चौपाल में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने ग्रामवासियों को विभागीय योजनाओं/कार्यक्रमों की जानकारी देकर योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

डॉक्टर चिरौंजी लाल के तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल हुए पूर्व सांसद शैलेंद्र कुमार



भरवारी कौशांबी मंझनपुर कस्बे के होम्योपैथिक के प्रसिद्ध चिकित्सा चिरौंजी लाल केशरवानी की मौत के बाद गुरुवार को श्री राम वाटिका में उनका 13वीं कार्यक्रम उनके पुत्र डॉ अरुण केसरवानी द्वारा आयोजित किया गया था डॉ चिरौंजी लाल केशरवानी के तेरहवीं संस्कार कार्यक्रम में जिले के विभिन्न लोग पहुंचे हैं और डॉक्टर चिरौंजी लाल को श्रद्धा सुमन अर्पित किया है डॉ चिरौंजी लाल केशरवानी के तेरहवीं संस्कार कार्यक्रम में पूर्व सांसद शैलेंद्र कुमार भी अपने समर्थकों के साथ पहुंचे हैं और श्रद्धा सुमन अर्पित किया है

सहकारी समिति से सचिव गायब खाद के लिए परेशान किसान



कौशांबी सहकारी समितियो से सचिव गायब हो गए हैं और मौका मिलते ही सहकारी समितियां की यूरिया उर्वरक खाद को कालाबाजारी कर रहे हैं जिससे किसानों को खाद नहीं मिल रही है किसान परेशान है ताजा मामला मंझनपुर नगर पालिका क्षेत्र के ओसा की प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति से जुड़ा हुआ जहां शिव प्रताप त्रिपाठी सचिव हैं लेकिन शिव प्रताप त्रिपाठी ड्यूटी नहीं देते हैं कभी-कभी उनका बेटा सहकारी समिति पहुंचता है और सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य पर किसानों को यूरिया उर्वरक देता है कई कई दिन तो सहकारी समिति में ताला बंद रहता जिससे तमाम किसान बिना यूरिया लिए वापस लौट जाते हैं समय से खाद ना मिलने से किसानों के सामने खाद की समस्या बरकरार है इस संबंध में सहायक निबंधक मोहसिन से बात की गई तो उन्होंने कहा कि उनके संज्ञान में मामला है और सचिव को हिदायत दी गई है यदि सचिव नहीं करते तो कठोर कार्रवाई कर दी जाएगी खाद के लिए परेशान किसानों में रामकेश, मंजीत, सबिता, रामकली, कलावती, कृष्णानंद अनीता देवी, संतोषी,अजय कुमार,सोनेलाल धीरज रामबिहारी कुसुम देवी सहित तमाम लोग परेशान दिखाई पड़े है ।

धान की रोपाई का नाटक कर किसानों के अधिकार को छीन ले गई विधायक पल्लवी पटेल

अखंड भारत संदेश

बरसात न होने से 80 प्रतिशत धान में खेत में किसान नहीं कर सके धान की रोपाई ज्वार बाजरा अरहर की भी नहीं हुई बुवाई



कौशांबी जुलाई के महीने में 15 दिन बीत जाने के बाद अभी तक बरसात नहीं हुई है किसानों के खेतों में पानी नहीं है जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की किसान आवाज बुलंद करने लगे हैं इसी बीच बुधवार को सिराथू विधानसभा क्षेत्र की विधायक पल्लवी पटेल सिराथू क्षेत्र के किसान के खेत पर पहुंची और एक खेत में धान की रोपाई का फोटो वीडियो वायरल करने लगी है लेकिन 80 प्रतिशत किसानों के खेतों में पानी नहीं है और धान की रोपाई नहीं हो रही है जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग किसान कर रहे है और दूसरी तरफ विधायक पल्लवी पटेल एक खेत में धान की रोपाई का वीडियो फोटो वायरल करके क्या साबित कर रही है कि जिले में किसानों की फसल की लगातार रोपाई हो रही है जबकि बाजरा ज्वार अरहर मोटे अनाज आदि की बुवाई नहीं हो रही है जिले की तमाम समस्याएं हैं बिजली के संकट से जनता जूझ रही है नहरों में पानी की समस्या से जनता जूस रही है खाद की ओवर रेटिंग कालाबाजारी से जनता जूझ रही है बढ़ते भ्रष्टाचार से जनता जूझ रही है चौपट शिक्षा स्वास्थ्य व्यवस्था से जनता जूझ रही पेट्रोल डीजल में मिलावट और कम नाप से जनता जूझ रही है अफसर शाही के आतंक से जनता जूझ रही है ओवरलोड वाहनों के सड़कों पर दौड़ने से जनता जूझ रही है लेकिन विधायक पल्लवी पटेल को जिले की जनता की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं दिखाई पा रहा है उनको केवल फोटो वीडियो वायरल कर सुर्खियों में बने रहने की आदत सी हो गई है किसानों के खेतों में धान की रोपाई ना होने मोटे अनाज बाजरा ज्वार अरहर की बुवाई ना होने के बाद जिले की सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग अभी तक विधायक पल्लवी पटेल ने विधानसभा में नहीं की है बल्कि उन्होंने बुधवार को कुछ मिनट के लिए खेत में धान रोपण करके फोटो वीडियो वायरल करके किसानों का हितैषी बनने का प्रयास किया है जो जिले में चर्चा का विषय बन गया है

तानाशाह जेई ने अफसरों की मर्यादा किया तार-तार

अखंड भारत संदेश

अधीक्षण अभियंता विद्युत के आदेश को रद्दी की टोकरी में डाल अपने मन से काम कर रहे हैं जेई

अधीक्षण अभियंता के आदेश पर पर्दे की आड़ में उपखंड अधिकारी खेल रहे हैं राजनीति

भरवारी कौशांबी विद्युत विभाग में अनुशासनहीनता इस कदर बढ़ गई है कि अब अधीक्षण अभियंता का आदेश भी मानने के लिए उनके अधीनस्थ तैयार नहीं है जिससे विभाग के कार्य भी बाधित हो रहे हैं आम जनता परेशान भी हो रही है ताजा मामला अधीक्षण अभियंता के 22 अप्रैल 2026 को दिए गए आदेश के संबंध में है जिसमें राम सूरज जेई को भरवारी पॉवर हाउस से हटाते हुए अमनी लोकी पुर की जिम्मेदारी दी गई लेकिन ढाई महीने से अधिक बीत जाने के बाद जेई राम सूरज ने अधीक्षण अभियंता के आदेश का पालन नहीं किया है अनुशासन हीनता करने वाले जेई को अभी तक अधीक्षण अभियंता ने निलंबित भी नहीं किया है जिससे उनकी भी मजबूरी का अंदाजा लगाया जा सकता है इससे पहले अवर अभियंता नन्हे लाल यादव को 16 अप्रैल को ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक पड़ा था जिनको प्रयागराज के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था 'वही दिनांक 17 अप्रैल से वह स्वास्थ्य लाभ के लिए अवकाश पर चले गए थे हार्ट अटैक आने से वह मेडिकल पर चले गए थे 'इनकी जगह अमनी लोकीपुर से अवर अभियंता राम सूरज को भरवारी में तैनात कर दिया गया था 'जिसके बाद वह 23 मई 2026 को पूर्व में तैनात अवर अभियंता भरवारी नन्हे लाल यादव ने डियूटी ज्वाइन कर लिया इसी बीच अधीक्षण अभियंता श्याम नारायण ने आदेश पारित किया कि अवर अभियंता नन्हे लाल यादव की तबियत्त ठीक हो गई है वह वापस भी आ गए है उनको तत्काल अपने पुरानी जगह भरवारी में ज्वाइन करने का आदेश तथा राम सूरज को अपने पूर्व तैनाती स्थल पर वापस जाने का आदेश देते हुए तत्काल ज्वाइन करने का निर्देश दिया परंतु ढाई महीने से अधिक बीत जाने के बावजूद अधीक्षण अभियंता विद्युत के आदेश को राम सूरज ने ना मानते हुए आदेश को रद्दी की टोकरी में डालकर अपने हट धार्मिता के चलते वह भरवारी पॉवर हाउस से हटने को तैयार नहीं है पूर्व में तैनात नन्हे लाल यादव एसी का आदेश मानते हुए प्रतिदिन पावर हाउस भरवारी ड्यूटी करने आ रहे हैं परन्तु एक ही पावर हाउस दो दो अवर अभियंता की मौजूदगी से उपभोक्ताओं में काफी रोष है वहीं पुराने अवर अभियंता पर उपभोक्ता अपना भरोसा जाहिर कर रहे है 'लोगो ने बताया कि अमनी लोकीपुर से आए राम सूरज जेई को एसडीओ भरवारी कृष्ण लाल यादव का सानिध्य प्राप्त है जिसके चलते भरवारी पावर हाउस से उन्हें रिलीफ नहीं कर रहे है 'जो अधीक्षण अभियंता विद्युत कौशांबी के आदेश से अपने आपको बड़ा मानते हे वही नियम तो यह है कि किसी भी अवर अभियंता की तैनात का समय कम से कम तीन वर्ष या पांच वर्ष तक होता है इनका अभी दो वर्ष ही पूरा हुआ है उपभोक्ताओं का कहना कि जेई नन्हे लाल यादव का कार्यकाल बेहतर रहा है और उनके कार्यकाल पर लोगों ने विश्वास जताया है '

जनगणना हस्त पुस्तिका ग्राम एवं नगर निर्देशिका के आंकड़ों के संकलन के लिए अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण



कौशांबी राष्ट्रीय कार्यक्रम भारत की जनगणना-2027 के अंतर्गत मकान गणना के उपरांत अग्रिम चरण में गुरुवार को जिला जनगणना अधिकारी अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर एवं उप निदेशक, जनगणना अजय द्वारा जिला जनगणना हस्तपुस्तिका के लिए ग्राम निर्देशिका एवं नगर निर्देशिका के आंकड़ों के संकलन कार्य के संबंध में चार्ज अधिकारियों, समस्त तहसीलदारों एवं अधिशासी अधिकारियों को बिंदुवार प्रशिक्षण प्रदान किया गया।प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को आंकड़ों के संकलन की प्रक्रिया,आवश्यक दिशा-निर्देशों तथा कार्य के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों को बताया गया कि इस बार यह कार्य पहली बार पूर्णतः मोबाइल एप एवं वेब पोर्टल के माध्यम से संपादित किया जाएगा,जिससे आंकड़ों का संकलन अधिक पारदर्शी,सटीक एवं त्वरित रूप से सुनिश्चित किया जा सकेगा।जिला जनगणना अधिकारी ने सभी चार्ज अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी के अनुरूप अधीनस्थ कार्मिकों को भी आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करें तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य को गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि ग्राम निर्देशिका एवं नगर निर्देशिका के लिए आंकड़ों के संकलन का कार्य सभी नामित कार्मिकों द्वारा 16 अगस्त से 15 सितंबर, 2026 की अवधि में मोबाइल एप एवं वेब पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों से इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम में पूर्ण गंभीरता,समन्वय एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय में शत-प्रतिशत आंकड़ों का संकलन सुनिश्चित करने की अपेक्षा की।

बार-बार अराजकता से परेशान विद्यालय, सबमर्सिबल की केबल काटी, टाइल्स तोड़ीं

स्मार्ट टीवी वाले कमरों में भी की गई पत्थरबाजी प्रधानाध्यापक ने पुलिस व शिक्षा विभाग से लगाई सुरक्षा की गुहार

टेढ़ीमोड़ कौशाम्बी कोखराज थाना क्षेत्र व बीआरसी कड़ा क्षेत्र के अंतर्गत तरसौरा स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में अराजक तत्वों की लगातार बढ़ती गतिविधियों से विद्यालय परिवार परेशान है।गुरुवार सुबह विद्यालय खुलने पर शिक्षकों ने देखा कि हैंडपंप से जुड़ी सबमर्सिबल मोटर की विद्युत केबल काट दी गई है। परिसर में लगी टाइल्स भी क्षतिग्रस्त कर दी गई थीं। इसके अलावा विद्यालय के कमरों में पत्थरबाजी किए जाने के भी साक्ष्य मिले,जिससे विद्यालय की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया।विद्यालय के शिक्षक अखिलेश कुमार शुक्ला ने बताया कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई बार अराजक तत्व विद्यालय परिसर में घुसकर तोड़फोड़ कर चुके हैं आए दिन नलों की टोंटियां तोड़ देना,केबल काट देना और विद्यालय की अन्य संपत्तियों को नुकसान पहुंचाना उनकी आदत बन गई है। इस बार स्मार्ट टीवी लगे कमरों में भी पत्थर फेंके गए। हालांकि समय रहते बड़ा नुकसान होने से बच गया।घटना के बाद विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने पूरे मामले की सूचना शहजादपुर पुलिस चौकी को देकर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों को भी घटना से अवगत कराया है। विद्यालय प्रशासन ने विद्यालय परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित कराने व अराजक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।विद्यालय से पुलिस को भेजे गए प्रार्थना पत्र में उल्लेख किया गया है कि विद्यालय में बार-बार केबल काटने,टाइल्स तोड़ने तथा पत्थरबाजी की घटनाएं हो रही हैं। इससे विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था और सरकारी संपत्ति दोनों प्रभावित हो रही हैं।प्रधानाध्यापक ने दोषियों की पहचान कर कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

बरसात न होने से किसानों ने जताई सूखा पड़ने की उम्मीद

किसानों की बातों को माने तो अभी तक 80 प्रतिशत से अधिक खेतों में बुवाई नहीं हुई है, लोकसभा विधान सभा में जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की सांसद विधायकों ने भी मांग नहीं शुरू की है

अखंड भारत संदेश

कौशांबी प्रत्येक वर्ष 10 जून तक बारिश शुरू हो जाती थी जून के अंतिम तक खेतों में पानी दिखाई पड़ता था तालाब भर जाते थे जून की अंतिम सप्ताह में किसान धान की रोपाई शुरू कर देते थे मोटे अनाज बाजरा ज्वार अरहर आदि फसल की बुवाई भी किसान करते थे लेकिन 15 जुलाई बीत चुके हैं एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद आसमान से बारिश न होने से किसानों के खेत सूखे हैं जिससे खेतों में ट्रैक्टर हल से जुताई नहीं हो रही है बरसात न होने से खेतों में धान की रोपाई नहीं हो रही है कुछ किसानों को छोड़ दिया जाए तो 80 प्रतिशत किसान अपने खेत में धान की रोपाई नहीं कर सके हैं किसी तरह से किसानों ने अपने खेतों में धान की बेहन तैयार कर लिए हैं लेकिन खेत में पानी न होने से इसकी रोपाई करने में भारी दिक्कत हो रही है जिससे किसानों के सामने मुसीबत बढ़ गई कि कैसे उनके परिवार की रोटी चलेगी पूरे कौशांबी जिले में बरसात न होने से लाखों एकड़ खेत सूखे हुए हैं जिससे मोटे अनाज बाजरा ज्वार अरहर आदि की बुवाई अभी नहीं हो सकी है किसानों की बातों को माने तो अभी तक 80 प्रतिशत से अधिक खेतों में बुवाई नहीं हुई है किसानों ने उम्मीद जताई है कि बार सूखा पड़ जाएगा और किसानों की फसल की बुवाई नहीं हो सकेगी लेकिन अभी तक प्रशासन ने कौशांबी जिले को सूखा घोषित करने की पहल नहीं शुरू की है इतना ही नहीं लोकसभा विधान सभा में जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की सांसद विधायकों ने भी मांग नहीं शुरू की है

जिलाधिकारी ने गोआश्रय स्थल, टेवा परिसर में किया पौधारोपण, प्लास्टिक यूनिट का किया निरीक्षण



कौशांबी जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने गुरुवार को गोआश्रय स्थल,टेवा परिसर में पौधारोपण कर आमजन को अधिक से अधिक पौधारोपण करने के प्रति जागरूक किया।जिलाधिकारी ने गोआश्रय स्थल, टेवा के समीप स्थापित प्लास्टिक यूनिट का निरीक्षण कर वहां संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जिला पंचायतराज अधिकारी से प्लास्टिक अपशिष्ट के संग्रहण, पृथक्करण एवं प्रसंस्करण की व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि प्लास्टिक यूनिट का प्रभावी संचालन किया जाए।

ड्रिप लगी हालत में बाइक पर दिखा घायल, वीडियो वायरल होने के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे सवाल !

अखंड भारत संदेश

सीएमएचओ बोले- एंबुलेंस उपलब्ध थी



शिवपुरी। जिले में हाथ में ड्रिप लगी हालत में एक घायल व्यक्ति को बाइक पर ले जाते हुए दिखाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे। हालांकि, प्रशासनिक पड़ताल में मामला अस्पताल की लापरवाही का नहीं, बल्कि परिजनों द्वारा घायल को निजी वाहन से ले जाने का बताया गया है।

जमीन विवाद में हुई थी मारपीट:

घटना बुधवार दोपहर कोलारस थाना क्षेत्र के सरजापुर गांव की है। गांव निवासी दयालू जाटव (50) और उनके बेटे राजेश जाटव के साथ कोलारस कस्बे की नर्सरी के पास मोहरा रोड पर जमीन विवाद को लेकर कुछ लोगों ने मारपीट की थी। घटना में घायल होने के बाद दोनों को उपचार के लिए कोलारस स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार और एमएलसी की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके बाद दयालू जाटव को आगे के इलाज के लिए शिवपुरी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

FIR दर्ज कराने पहुंचे थे थाने :

बताया गया है कि भीम आर्मी के कार्यकर्ता और परिजन आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर दयालू जाटव और राजेश जाटव को कोलारस थाने ले गए। एफआईआर दर्ज होने में देरी को लेकर कुछ देर हंगामे की स्थिति भी बनी रही। बाद में पुलिस ने राकेश चौबे, महेंद्र यादव, गोलू यादव, मुलायम यादव और पर्वत यादव के खिलाफ मामला दर्ज किया। एफआईआर दर्ज होने के बाद दयालू जाटव के परिजन कामता प्रसाद जाटव और गंगाराम जाटव उन्हें हाथ में ड्रिप लगी हालत में बाइक से शिवपुरी मेडिकल कॉलेज लेकर रवाना हो गए। इसी दौरान किसी राहगीर ने उनका वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

थाना प्रभारी ने कही यह बात :

दयालू जाटव और उनके बेटे के साथ मारपीट हुई थी। दोनों थाने पहुंचे थे और पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली थी। इसके बाद घायल अपने परिजनों के साथ इलाज के लिए रवाना हो गए।पुनीत बाजपेयी, थाना प्रभारी, कोलारस

सीएमएचओ बोले- एंबुलेंस उपलब्ध थी :

कोलारस स्वास्थ्य केंद्र में दयालू जाटव का प्राथमिक उपचार और एमएलसी की गई थी। उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था और एंबुलेंस की व्यवस्था भी उपलब्ध थी। लेकिन परिजनों ने उन्हें निजी वाहन से ले जाने की बात कहकर अपने साथ ले गए। वायरल वीडियो में दिख रही स्थिति अस्पताल की लापरवाही नहीं, बल्कि परिजनों के निजी वाहन से मरीज को ले जाने के कारण बनी। डॉ. संजय ऋषेश्वर, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारीसोशल मीडिया पर बनी चर्चा का विषय वीडियो वायरल होने के बाद कई लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल उठाए, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि अस्पताल द्वारा रेफरल और एंबुलेंस की व्यवस्था की गई थी। फिलहाल मामला सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है, जबकि पुलिस जमीन विवाद और मारपीट के मामले की जांच कर रही है।

सफाई कर्मचारियों ने नगर पालिका को दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम, मांगें पूरी न होने पर हड़ताल की चेतावनी

अखंड भारत संदेश

शिवपुरी। नगर पालिका शिवपुरी के सफाई कर्मचारियों ने लंबित मांगों के निराकरण को लेकर 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के बैनर तले गुरुवार को कर्मचारियों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि यदि निर्धारित समय में उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। कर्मचारियों ने शुक्रवार को कलेक्टर को भी ज्ञापन सौंपने की बात कही है। जिला शाखा अध्यक्ष मनोज लाहोटी ने बताया कि कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर पहले भी कई बार ज्ञापन और प्रदर्शन किए जा चुके हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। उनका कहना है कि 8 जुलाई को हुई चर्चा में 15 जुलाई को बैठक कर समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया गया था, लेकिन तय दिन बैठक नहीं हो सकी। ज्ञापन में कर्मचारियों ने नियमित वेतन भुगतान, नियमिती करण, ऑनलाइन हाजिरी व्यवस्था समाप्त करने, परिवीक्षा अवधि पूरी होने पर वेतनवृद्धि, समयमान और पदोन्नति का लाभ, एनपीएस व पीएफ की राशि समय पर जमा कराने, गल्ला एडवांस का भुगतान तथा वर्दी, रेनकोट और गमबूट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने सहित 11 मांगें रखी हैं। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर समय रहते निर्णय नहीं लिया गया तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करेंगे। ऐसे में शहर की सफाई व्यवस्था और कचरा उठाव जैसी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। वहीं, नगर पालिका प्रशासन की ओर से इस संबंध में तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

न्यूज झरोखा

भाजपा जनसुनवाई में विद्युत, शिक्षा सहित अन्य समस्याएं ले पहुंचे लोग



फतेहपुर। जेल रोड स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में लोगों द्वारा विभिन्न विभागों की समस्याओं को लेकर दिवस प्रभारी को पत्र सौंपे गए, जिसमें मुख्य रूप से प्रधानाचार्य परिषद द्वारा मुख्यमंत्री को प्रेषित एक ज्ञापन जिलाध्यक्ष अन्नू श्रीवास्तव को सौंपा गया, जिसमें उत्तर प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों में कार्यरत कार्यवाहक व पदोन्नत प्रधानाचार्यों के नियमितीकरण की मांग की गई है, जिलाध्यक्ष अन्नू श्रीवास्तव ने कहा कि प्रधानाचार्य परिषद के संरक्षक प्रभुदत्त दीक्षित व उनके संगठन जिलाध्यक्ष अनिल राज सिंह सहित साथ आये प्रधानाचार्यों द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी को ज्ञापित पत्र हम तक पहुंचा है, जिसमें उनके द्वारा प्रधानाचार्यों के नियमितीकरण की मांग की गई है,जिसे ससमय उचित पटल पर प्रेषित किया जायेगा, दिवस प्रभारी के रूप में उपस्थित जिला उपाध्यक्ष कुलदीप भदौरिया ने बताया कि जगदीशपुर ग्राम के निवासी केशन व शरद कुमार शुक्ला द्वारा विद्युत सम्बन्धी समस्या का प्रार्थना पत्र दिया गया जिसमें सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को न्यायोचित निस्तारण की बात कही गई, जनसुनवाई दिवस पर पार्टी कार्यालय में विमलेश पांन्डेय व प्रसून तिवारी द्वारा दायित्व निर्वहन किया गया।

शिक्षा मित्रों की समस्याओं के निस्तारण की मांग, बीएसए को सौंपा ज्ञापन



फतेहपुर। आदर्श समायोजित शिक्षक शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश शाखा फतेहपुर ने बुधवार को जिलाधिकारी के माध्यम से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिला अध्यक्ष विजय सिंह गौर के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में शिक्षा मित्रों की 4 प्रमुख समस्याओं के निस्तारण की मांग की गई।ज्ञापन में कहा गया कि शासन द्वारा शिक्षा मित्रों के लिए जारी योजनाओं को लागू करने में दिक्कतें आ रही हैं। पहली मांग 60 वर्ष की सेवा अवधि को पोर्टल पर दर्ज करने और 60 वर्ष पर सेवानिवृत्ति व चिकित्सा योजना में रजिस्ट्रेशन के लिए बीईओ को निर्देशित करने की है।दूसरी मांग में शिक्षा मित्रों का एसबीआई बैंक से एमओयू के तहत खाता खुलवाने के लिए शीघ्र निर्देश जारी करने की बात कही गई। तीसरी मांग में शासनादेश के अनुसार विवाहित महिला शिक्षा मित्रों का मूल विद्यालय के आसपास स्थानान्तरण करने की मांग रखी गई।वहीं चौथी मांग में जनपद में 6 शिक्षा मित्रों का रोका गया मानदेय बहाल कर अतिशीघ्र भुगतान कराने की मांग की गई।एसोसिएशन ने सभी समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर अविलंब कार्रवाई की मांग की है। इस दौरान जिला कोषाध्यक्ष गजेन्द्र सिंह और जिला महामंत्री शिव कुमार यादव भी मौजूद रहे।

जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प

भूजल सप्ताह में हसवा के स्वामी चंददास इंटर कॉलेज में चला महाअभियान, 1490 बच्चों को दिलाई शपथ



फतेहपुर। जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प के संकल्प के साथ जिले में 16 से 22 जुलाई 2026 तक भूजल सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी क्रम में आज 16 जुलाई को हसवा के स्वामी चंददास इंटर कॉलेज में जल संरक्षण जागरूकता महाअभियान के साथ नशामुक्ति और सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी श्रीमती निधि गुप्ता वत्स के मार्गदर्शन में इंडियन रेडक्रास सोसाइटी, आरोग्य भारती और डॉ सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में हुए इस कार्यक्रम में आरोग्य भारती पर्यावरण प्रमुख कानपुर प्रांत एवं फतेहपुर चेयरमैन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बच्चों को जल बचाने के व्यावहारिक तरीके बताए। डॉ. अनुराग ने छात्रों से वाटर बेल लगाने, आरओ का व्यर्थ पानी संग्रहित कर उपयोग करने और लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। इसके बाद सभी बच्चों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के बाद पानी बचाओ – जीवन बचाओ के नारे लगाते हुए विद्यालय से टेम्पो स्टैंड होते हुए गली-गली रैली निकाली गई। इस दौरान डॉ. अनुराग ने बच्चों और शिक्षकों को सीपीआर प्रशिक्षण भी दिया और नशे के दुष्प्रभाव बताए। उन्होंने कहा कि तम्बाकू से कैंसर और अल्कोहल से लीवर सिरोसिस जैसी बीमारियां होती हैं। अंत में 1490 बच्चों को बरसात की बीमारियों से बचाव हेतु होमियोपैथिक औषधि वितरित की गई। साथ ही हाथ धुलाई और स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य राममिलन बाजपेई शिक्षकगण विनोद कुमार, राजकुमार सिंह, भगवत नारायण मिश्र सहित इंडियन रेडक्रास के सुरेश कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

शिवपुरी में आदिवासी महिलाओं का शराब के खिलाफ लाठी अभियान कार्रवाई नहीं हुई तो खुद तोड़ दिए अवैध ठिकाने

अखंड भारत संदेश

हाथों में लाठियां लेकर पहुंचीं महिलाओं ने कच्ची शराब और महुआ सड़क पर फेंका; बोलीं- शिकायतों पर विभाग नहीं जागा, इसलिए खुद उठाना पड़ा कदम



शिवपुरी। जिले के खनियाधाना थाना क्षेत्र के कफार गांव में गुरुवार को अवैध कच्ची शराब के खिलाफ आदिवासी महिलाओं का आक्रोश खुलकर सामने आया। करीब दो हजार की आबादी वाले इस गांव में दर्जनों महिलाएं हाथों में लाठियां लेकर शराब बनाने के ठिकानों पर पहुंचीं और वहां रखी भट्टियां, शराब बनाने के उपकरण तथा सामग्री को नष्ट कर दिया। महिलाओं ने तैयार कच्ची शराब और महुआ को भी सड़क पर फेंक दिया। घटना के वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें महिलाएं अवैध शराब के अड्डों को ध्वस्त करती नजर आ रही हैं। ग्रामीण महिलाओं का आरोप है कि गांव में लंबे समय से खुलेआम कच्ची शराब का निर्माण और बिक्री हो रही है। इससे पुरुषों में शराबखोरी बढ़ी है और इसका सीधा असर परिवारों पर पड़ रहा है। महिलाओं का कहना है कि शराब की वजह से घरों में आए दिन विवाद, घरेलू हिंसा, मारपीट और आर्थिक संकट की स्थिति बन रही है।

शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई:

महिलाओं ने बताया कि उन्होंने कई बार आबकारी विभाग और पुलिस से अवैध शराब के कारोबार को बंद कराने की शिकायत की, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। अधिकारियों की निष्क्रियता से नाराज महिलाओं ने आखिरकार खुद ही मोर्चा संभालने का निर्णय लिया और शराब के अड्डों पर पहुंचकर कार्रवाई कर दी। महिलाओं के मुताबिक गांव में वीरन आदिवासी, जितेंद्र सहित तीन से चार स्थानों पर कच्ची शराब बनाई जा रही थी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में फिर किसी ने गांव में अवैध शराब बनाने का प्रयास किया तो महिलाएं दोबारा इसी तरह एकजुट होकर विरोध करेंगी।

चार दिन पहले समाज ने लिया था बड़ा फैसला :

बताया जा रहा है कि 12 जुलाई को आदिवासी सहरिया संगठन की बैठक में गांव को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया गया था। बैठक में निर्णय हुआ था कि आदिवासी समाज का कोई भी व्यक्ति शराब का सेवन करते पाया गया तो उस पर 5,100 रुपए का आर्थिक दंड लगाया जाएगा। साथ ही अवैध कच्ची शराब बनाने वालों के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई कराने का भी निर्णय लिया गया था।

थाना प्रभारी बोले- जानकारी नहीं, फोर्स भेज रहे हैं :

घटना पर खनियाधाना थाना प्रभारी केदार सिंह यादव ने कहा कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस बल को गांव भेजा जा रहा है। मामले की जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नशे के खिलाफ महिलाओं का संदेश :

कफार गांव की यह घटना केवल अवैध शराब के विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण महिलाओं की उस पीड़ा को भी सामने लाती है, जो वर्षों से शराब की वजह से टूटते परिवारों और बिगड़ते सामाजिक माहौल को झेल रही हैं। अब उनकी मांग है कि प्रशासन केवल आश्वासन नहीं, बल्कि अवैध शराब के कारोबार पर स्थायी और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे।

जनचौपाल में शिकायत को लेकर विवाद, ग्रामीणों ने किया विरोध, विधायक की कार के सामने जताया आक्रोश

अखंड भारत संदेश



शिवपुरी। नरवर में आयोजित जनचौपाल के दौरान शिकायत सुनने को लेकर विवाद की स्थिति बन गई। पोहरी विधानसभा क्षेत्र से पहुंचे कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उनकी समस्याएं नहीं सुनी गईं। विरोध के दौरान एक ग्रामीण ने अपने मासूम बच्चे को विधायक की कार के बोनट पर रख दिया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और अन्य लोगों ने तुरंत बच्चे को सुरक्षित हटाकर स्थिति को सामान्य कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, बुधवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन, नरवर में करैरा विधायक रमेश खटीक जनचौपाल के माध्यम से लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इसी दौरान पोहरी विधानसभा के ग्राम नानकपुर और बरखाड़ी से आए कुछ ग्रामीण भी अपनी शिकायत लेकर पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें यह कहकर वापस भेज दिया गया कि वे संबंधित विधानसभा क्षेत्र के निवासी नहीं हैं। इस संबंध में विधायक की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

बरखाड़ी निवासी जितेंद्र केवट और संतोष केवट का कहना है कि मछली पकड़ने के विवाद में उनके साथ मारपीट हुई थी और पुलिस ने शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं की। उनका आरोप है कि जनचौपाल में भी उनकी बात नहीं सुनी गई। इसी नाराजगी में विरोध प्रदर्शन किया गया, जिसके दौरान बच्चे को कार के बोनट पर रख दिया गया। पुलिस और मौजूद लोगों की सतर्कता से किसी तरह की अप्रिय घटना नहीं हुई। गौरतलब है कि नरवर तहसील करैरा और पोहरी दोनों विधानसभा क्षेत्रों में आती है। घटना के बाद सोशल मीडिया पर वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। मामले में संबंधित पक्षों की विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है।

रास्ते के विवाद में मारपीट के बाद एफआईआर पर सवाल, पीड़ित परिवार ने एसपी से लगाई गुहार

अखंड भारत संदेश



शिवपुरी। कोलारस थाना क्षेत्र के गुगवारा गांव में रास्ते के विवाद को लेकर हुई मारपीट के मामले में अब पुलिस कार्रवाई को लेकर भी विवाद खड़ा हो गया है। गुरुवार को पीड़ित परिवार पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा और आरोप लगाया कि घटना में शामिल कुछ प्रमुख आरोपियों के नाम एफआईआर में शामिल नहीं किए गए हैं। परिवार ने निष्पक्ष जांच कर सभी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित अजीत धाकड़ का कहना है कि रास्ते को लेकर चल रहे विवाद के बीच 14 जुलाई को कुछ लोग हथियारों के साथ उनके घर पहुंचे और परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की। घटना में महिलाओं सहित 10 लोग घायल हुए। अजीत धाकड़ के हाथ में फ्रैक्चर और सिर में चोट आने की बात कही गई है। घायलों का प्राथमिक उपचार कराने के बाद मेडिकल परीक्षण और अन्य जांच कराई गई। पीड़ित परिवार का आरोप है कि शिकायत के बावजूद घटना में शामिल सभी लोगों के नाम एफआईआर में दर्ज नहीं किए गए। वहीं एसपी कार्यालय जाते समय एक आरोपी द्वारा बंदूक दिखाकर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। परिवार ने आरोपी का शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उधर, कोलारस थाना प्रभारी पुनीत बाजपेयी ने बताया कि एक पक्ष की शिकायत पर छह लोगों और दूसरे पक्ष की शिकायत पर तीन लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। उनका कहना है कि घटना का वीडियो बाद में सामने आया है। विवेचना के दौरान वीडियो में दिखाई देने वाले अन्य लोगों की पहचान कर आवश्यकतानुसार उनके नाम भी प्रकरण में जोड़े जाएंगे।

आरोप : खाद वितरण व्यवस्था पर उठे सवाल, किसानों ने लगाए अनियमितता के आरोप

समिति समय से न खुलने से किसान परेशान, सचिव बोले छह समितियों का अतिरिक्त प्रभार और सर्वर समस्या बनी वजह

अखंड भारत संदेश



फतेहपुर। खागा तहसील क्षेत्र के ऐराया विकासखंड अंतर्गत कोड़ारवर सहकारी समिति स्थित (अल्लीपुर भादर) में यूरिया खाद वितरण व्यवस्था को लेकर किसानों में नाराजगी देखने को मिल रही है। किसानों ने समिति समय से न खुलने, कई दिनों तक खाद न मिलने तथा वितरण प्रक्रिया में अनियमितता के आरोप लगाए हैं। वहीं समिति सचिव ने अतिरिक्त कार्यभार और तकनीकी समस्याओं को देरी का कारण बताया है। शनिवार को समिति में करीब 500 बोरी यूरिया खाद पहुंची थी जिसके बाद गुरुवार को बड़ी संख्या में किसान खाद लेने के लिए एकत्र हुए। किसानों का आरोप है कि समिति निर्धारित समय पर नहीं खुलती, जिससे उन्हें कई दिनों तक चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

अल्लीपुर निवासी किसान अरविंद कुमार ने बताया कि वह सोमवार से लगातार खाद लेने आ रहे हैं, लेकिन अभी तक उन्हें खाद नहीं मिल सकी। उनका कहना है कि समिति दोपहर में खुलती है और शाम तक सर्वर बंद होने का हवाला देकर वितरण रोक दिया जाता है। कोरका निवासी किसान शिवप्रताप सिंह लोधी ने आरोप लगाया कि लगभग 20 बीघा धान की फसल समय पर खाद न मिलने से प्रभावित हो रही है। उन्होंने वितरण प्रक्रिया में पक्षपात और ओटीपी प्रक्रिया में अनियमितता के भी आरोप लगाए। वहीं भादर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजेश तिवारी ने कहा कि समिति सचिव के पास कई समितियों का अतिरिक्त प्रभार होने तथा सर्वर संबंधी तकनीकी समस्याओं के कारण किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने उच्च अधिकारियों से व्यवस्था सुधारने और अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की मांग की। उधर समिति सचिव राजेंद्र पांडेय ने आरोपों का खंडन करते हुए बताया कि समिति में 500 बोरी यूरिया उपलब्ध है, जिसका वितरण शासन द्वारा निर्धारित ?266.50 प्रति बोरी की दर से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके पास छह सहकारी समितियों का अतिरिक्त प्रभार है, जिसके कारण प्रत्येक समिति में प्रतिदिन उपस्थित होना संभव नहीं हो पाता। साथ ही खाद वितरण के बाद बैंक में धनराशि जमा करने और सर्वर-नेटवर्क की समस्या के कारण भी कभी-कभी देरी हो जाती है।

नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश



चित्रकूट। मानिकपुर थाना अंतर्गत जंगल में एक नाबालिग लड़की के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने सफल अनावरण कर दिया है। एसओजी और मानिकपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़िता के प्रेमी समेत दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में शामिल दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश में दबिश दी जा रही है।

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि बीती 14 जुलाई को मानिकपुर निवासी एक नाबालिग ने थाने में सूचना देकर बताया कि बीती 13 जुलाई को वह अपने दोस्त जिन्नू कोल (18) के साथ झरी फाटक के पास जंगल की तरफ गई थी। यहां जंगल के पास स्थित चेकडैम में नहा रहे तीन अन्य युवकों ने उन दोनों को बंधक बना लिया। आरोपियों ने असलहे के बल पर डरा-धमकाकर प्रेमी जिन्नू के हाथ पीड़िता के दुपट्टे से बांध दिए और झाड़ियों के पीछे ले जाकर नाबालिग के साथ बारी-बारी से सामूहिक दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपी जिन्नू की बाइक की चाबी छीनकर दो आरोपी मानिकपुर से खाने-पीने का सामान लेने चले गए और एक आरोपी वही मौजूद रहकर दोनों पर नजर रख रहा था। इसी बीच मौका पाकर जिन्नू वहां से भाग निकला। इसके बाद आरोपी करीब 3-4 घंटे तक पीड़िता को जंगल में बंधक बनाए रहे और बाद में उसे मारकुंडी, हनुमान धारा होते हुए कर्वी पेट्रोल पंप के पास छोड़कर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। इस पर पुलिस ने बीएनएस और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया। पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि उसका प्रेमी भी उसके साथ संबंध बनाता रहा है। इस पर उसके प्रेमी जिन्नू पर भी सम्बन्धित धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया।

पीड़िता के बयानों के आधार पर पुलिस ने सबसे पहले उसके प्रेमी थाना क्षेत्र के गेदुरहा निवासी जिन्नू कोल को झरी फाटक के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ और सीसीटीवी फुटेज से मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने दूसरे आरोपी जनपद बांदा के थाना देहात के कबरई निवासी अखिलेश उर्फ जरैला (19) को भी मारकुंडी के पास से दबोच लिया गया। पूछताछ में आरोपी अखिलेश ने अपने दो अन्य साथियों अखिलेश उर्फ पटेल (22) और लल्लू उर्फ लाला (24) निवासीगण बांदा के भी घटना में शामिल होने की बात कबूली है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और एक एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किया है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी करने वाली टीम में एसओजी एमपी त्रिपाठी, आरक्षी रोहित कुमार सिंह, रोशन सिंह, गोलू भार्गव, पवन कुमार राजपूत, जयनारायण पटेरिया तथा थाना मानिकपुर के प्रभारी अजीत कुमार, निरीक्षक शैलेन्द्रचन्द्र पाण्डेय, आरक्षी तेजबली, ऋतुराजव महिला आरक्षी संयोगिता शामिल रही।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में निकली नशा मुक्ति जागरूकता रैली



अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण समिति के तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ कला संकाय स्थित शिक्षा विभाग परिसर से डॉ. श्याम सिंह गौर ने हरी झंडी दिखाकर किया।

रैली में विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर ह्यह्यनशा छोड़ो, जीवन जोड़ोह्यह्य, ह्यह्यनशामुक्त हो हर इंसान, स्वस्थ समाज की पहली पहचानह्यह्य तथा ह्यह्यनशा मुक्त भारत, सशक्त भारतह्यह्य जैसे नारों के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जन-जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. राकेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि नशा व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल, योग एवं सकारात्मक जीवन मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. नंद लाल मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित रैली का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा नशामुक्त जीवन अपनाने तथा समाज में नशा उन्मूलन के प्रति जन-जागरूकता फैलाने की शपथ के साथ हुआ।

यूपी डिजिटल लेबर चैक मोबाइल एप के जरिए श्रमिकों को मिलेगा काम, नियोजकों को मिलेंगे कुशल श्रमिक



चित्रकूट। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा निर्माण श्रमिको को रोजगार के अवसरों से जोड़ने तथा सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सरल एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने एवं नियोजको को उनकी जरूरत के अनुसार कुशल श्रमिको से सीधे सम्पर्क करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश श्रम विभाग द्वारा ह्ययूपी डिजिटल लेबर चैकह्य मोबाइल ऐप विकसित किया गया है। यह मोबाइल ऐप निर्माण श्रमिकों एवं नियोजकों के बीच एक प्रभावी डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगा।

सहायक श्रमायुक्त आरके गुप्ता ने बताया कि इसके माध्यम से श्रमिकों को रोजगार के अवसरों के साथ-साथ श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं उनका लाभ प्राप्त करने की सुविधा भी मिलेगी। जहाँ निर्माण कार्य से जुडे सेवायोजक, बिल्डर, ठेकेदार, निर्माण एजेंसियां एवं अन्य प्रतिष्ठान इस ऐप पर अपना पंजीकरण कर सीधे श्रमिकों से संपर्क स्थापित कर सकेंगे। वहीं निर्माण श्रमिक भी मोबाइल एप के माध्यम से नियोजकों से जुडकर रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। इससे एक ओर श्रमिकों को कार्य मिलने मेंआसानी होगी, वहीं दूसरी ओर नियोजकों को आवश्यकता के अनुरूप कुशल श्रमिक उपलब्ध हो सकेंगे। इसके अतिरिक्त जो निर्माण श्रमिक अभी तक उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं से पूर्ण रूप से परिचित नहीं हैं वह इस ऐप के माध्यम से योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर पात्रता के अनुसार उनका लाभ उठा सकेंगे। इस ऐप को डाउनलोड करने के उपरान्त निर्माण श्रमिकों जैसे मिस्त्रियों, हेल्परों, प्लबरों, पत्थर, टाइल्स का काम करने वाले, शटरिंग कार्य करने वाले आदि निर्माण श्रमिकों को काम माँगने के लिये बिचैलियों की मदद नही लेनी पडेगी, बल्कि घर बैठे ही उनको कार्य मिलेगा क्योंकि नियोजक भी सीधे उनसे सम्पर्क कर सकेगा। इस तरह यह ऐप निर्माण श्रमिकों व नियोजकों के लिये डिजिटल लेबर अड्डों की तरह कार्य करेगा, समस्त निर्माण श्रमिकों एवं नियोजकों से अपील है कि वे अपने एंड्रायड मोबाइल फोन में गूगल प्ले स्टोर से डिजिटल लेबर चैक ऐप डाउनलोड कर उसका अधिकतम उपयोग करें। साथ ही अपने आसपास कार्यरत अन्य निर्माण श्रमिकों एवं नियोजकों को भी इस ऐप के संबंध में जागरूक करें ताकि अधिक से अधिक पात्र श्रमिक एवं नियोजक इस डिजिटल सुविधा का लाभ प्राप्त कर सके।

दबंग नहीं लेने दे रहे नलकूप में विद्युत कनेक्शन

चित्रकूट। दबंगों से परेशान और विद्युत विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली के चलते निराश हो चुके किसान ने उच्चाधिकारियों को पत्र लिखकर न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। सदर तहसील के कोरारी गांव के निवासी महावीर ने उच्चाधिकारियों को लिखे पत्र में कहा है कि अपनी जमीन की सिंचाई एवं मवेशियों के लिए पानी की उपलब्धता के उद्देश्य से उसने अपने खेत में नलकूप बनवाकर विद्युत कनेक्शन के लिए आवेदन किया था। जिसमें विद्युत पोल भी लगाए जा चुके है। इस दौरान गांव के दबंगों ने विद्युत पोल को आगे लगवाने से रोकवा दिया। जबकि मौके पर इन दबंगों की जमीन भी नहीं है। साथ ही जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में विद्युत विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों ढुलमुल रवैये के कारण विद्युत कनेक्शन नहीं हो पा रहा है। पत्र में पीड़ित ने न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

नकल न कराने वाले शिक्षक का उत्पीड़न कर रहा महाविद्यालय प्रबंधन

चित्रकूट। उच्चाधिकारियों को लिखे शिकायती पत्र में शिक्षक ने महाविद्यालय प्रबंधन पर नकल कराने के आरोप लगाए है। उन्होंने मामले की जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता ज्ञानेन्द्र कुमार ने बताया कि वह बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हंडिया बाबा पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज में अनुमोदिन सहायक आचार्य (बी.एड.) के पद पर कार्यरत था। जिसने बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें नोडल केन्द्र से प्रश्न पत्र लाने के लिए अधिकृत किया गया था। इस दौरान महाविद्यालय प्रबंधक रंगमणि त्रिपाठी द्वारा प्रश्न पत्र आउट करने और परीक्षा में नकल कराने का अनैतिक एवं अवैधानिक कार्य करने का उन पर दबाव बनाया गया। साथ ही केन्द्र अध्यक्ष श्रीनारायण शुक्ला द्वारा भी प्रबंधक की अनैतिक बातों का समर्थन किया गया। जिससे इंकार करने पर महाविद्यालय प्रबंधन ने उन्हें झूठे आरोपों में फंसाने का प्रयास करते हुए प्रताड़ित किया। शिकायतकर्ता ने बताया कि उन्हें यूजीसी के मानक एवं निर्धारित अनुबंध के अनसार वेतन का भुगतान नहीं किया गया। साथ ही बिना किसी पूर्व सूचना, कारण बताओं नोटिस व विधिक प्रक्रिया अपनाए बिना मात्र वाट्सअप संदेश के माध्यम से उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई। इसकी शिकायत उन्होंने बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी में की। जिस पर लगभग आठ माह बाद जांच समिति का गठन किया गया, किंतु समिति गठन के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। साथ ही महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा उन्हें भयाक्रांत करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में मामले की जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। साथ ही यूजीसी के मानक के अनुरूप पांच वर्ष के अनुबंध की अवधि का समस्त बकाया वेतन दिलाया जाए। इस सम्बन्ध में बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी के उप कुलसचिव गोपनीय ने बताया कि ज्ञानेन्द्र कुमार द्वारा की गई शिकायत के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा समिति का गठन किया गया है। समिति की कार्रवाई प्रचलन में है।

तीन माह के मासूम की संदिग्ध मौत, परिजनों में कोहराम

अखंड भारत संदेश



बबेरू/बांदा। कोतवाली क्षेत्र के सिमौनी गांव में गुरुवार को उस समय मातम पसर गया, जब फल्लू यादव के 3 माह के दुधमुंहे बेटे सत्यम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बच्चे की अचानक हुई मौत से परिवार में कोहराम मचा है।मृतक बच्चे के चाचा मुन्ना यादव ने बताया कि बुधवार को बच्चे को वैक्सीन (टीकाकरण) लगाई गई थी। टीकाकरण के बाद बच्चा दिन भर सामान्य था और हंसता-खेलता रहा। हालांकि, रात में अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसकी मृत्यु हो गई।

परिजनों ने आनन-फानन में गुरुवार की सुबह बच्चे को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बबेरू पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों में इस बात को लेकर संशय बना हुआ है कि बच्चे की मृत्यु टीकाकरण के कारण हुई है या फिर रात में किसी जहरीले कीड़े के काटने से। इस रहस्य से पर्दा उठाने के लिए परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने का निर्णय लिया है।

सूचना मिलते ही बबेरू कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है और वैधानिक कार्रवाई पूरी करते हुए गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज के मोर्चरी हाउस मे करवाया है, पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा।

स्थापना दिवस पर पत्रकारों ने संगोष्ठी कर किया पौधरोपण

धूमधाम से मनाया गया पत्रकार महासंघ का 27वां स्थापना दिवस



चित्रकूट। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ का 27वां स्थापना दिवस बुधवार को जिले में धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान मुख्यालय स्थित कार्यालय में संगोष्ठी हुई। इस अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के प्रदेश मुख्य महासचिव राजकुमार याज्ञिक ने कहा कि पत्रकारों के मान सम्मान की लड़ाई में संगठन आगे रहा है। देश के कई प्रदेशों में संगठन पत्रकार हितों के लिए सघर्षरत है। जिले के पत्रकारों की समस्याओं के निदान का हर संभव प्रयास होगा। इसके बाद पत्रकारों ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के प्रांगण में मौल श्री, पाखर, जामुन, अमरूद, नीबू, आंवला के पौधे रोपित किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर शिशिर कुमार पांडेय ने कहा कि वृक्षारोपण से पर्यावरण संतुलित होगा। ग्लोबल वार्मिंग में कमी आएगी। उन्होंने अपील किया कि अपने जन्मदिन आदि पर एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखरेख अपने बच्चे की तरह करें।

कुल सचिव मधुरेंद्र कुमार पर्वत ने कहा कि पौधा लगाने के बाद संरक्षण बेहद जरूरी है। संरक्षण के अभाव में पौधे सूख जाते हैं। जिससे पौधरोपण का कोई सार्थक परिणाम नहीं मिल पाता है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को एक पेड़ लगाकर संरक्षण अवश्य करना चाहिए। प्रदेश मुख्य महासचिव राजकुमार याज्ञिक ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। वृक्षारोपण केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वस्थ भविष्य भी सुरक्षित करता हैं। सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण करने का संकल्प लिया।

इसके बाद महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक डा. भगवान प्रसाद उपाध्याय का 70वां जन्मदिन मनाया गया। पदाधिकारियों ने एक दूसरे को मिष्ठान खिलाकर राष्ट्रीय सयोजक अच्छे स्वास्थ्य व दीघार्यु की कामना की। जिलाध्यक्ष शिवमूरत द्विवेदी ने बताया कि महासंघ के 27वें स्थापना दिवस पर 27 पौधे लगाकर संरक्षित भी किया जाएगा। इस मौके पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी मनोज कुमार पांडेय, वरिष्ठ पत्रकार प्रभाकर सिंह, विराग पांडेय, रमेश रैकवार, रहमत आदि पत्रकार मौजूद रहे।

भीषण आग से दो घरों का लाखों का सामान जलकर राख

अखंड भारत संदेश





मऊ (चित्रकूट)। मऊ तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत तिलौली के मजरा चंदई में गुरुवार की देर रात करीब साढ़े 12 बजे अज्ञात कारणों से दो मकानों में भीषण आग लग गई। आग की लपटें देखते ही परिवार के लोग किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे, लेकिन देखते ही देखते दोनों घरों की पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई।

ग्राम प्रधान तिलौली कृष्ण कुमार ने बताया कि आग से गांव के ही लवकुश कुमार पुत्र शिवलाल तथा मंजू देवी पत्नी स्वर्गीय प्रदीप कुमार की सारी गृहस्थी जलकर राख हो गई है। अग्निकांड में गेहूं, चावल, आटा, दाल, कपड़े, बिस्तर, सोने-चांदी के आभूषण, नकदी समेत लाखों रुपये का सामान जलकर नष्ट हो गया। आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है।

घटना की सूचना पर लेखपाल समीर वाजपेई मौके पर पहुंचे और नुकसान का आकलन कर पीड़ित परिवारों को हर संभव सरकारी सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। आग से दोनों परिवार बेघर हो गए हैं और उनके सामने रहने व खाने-पीने का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

नरजिता गांव में भीषण आग से पूरा मकान जलकर राख, लाखों का सामान स्वाहा



बांदा। जनपद बांदा की पैलानी तहसील के ग्राम नरजिता (थाना जसपुरा) में बुधवार देर रात करीब 1:30 बजे अज्ञात कारणों से लगी भीषण आग ने एक परिवार का आशियाना पलभर में उजाड़ दिया। आग की चपेट में आने से दशरथ यादव का पूरा मकान जलकर राख हो गया। घर में रखा घरेलू सामान, कपड़े, अनाज एवं अन्य आवश्यक वस्तुएं भी आग में स्वाहा हो गईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, देर रात अचानक घर से धुआं और आग की लपटें उठती देख मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे। तब तक आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी। ग्रामीणों ने टंकी से पानी की सप्लाई कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने का प्रयास किया।

घटना की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक पूरा मकान जलकर राख हो चुका था। सूचना पर थाना जसपुरा पुलिस भी मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। ग्राम प्रधान ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर प्रशासन से हरसंभव आर्थिक सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। प्रशासन द्वारा नुकसान का आकलन कराया जा रहा है।

भारत ने पाकिस्तान को दुनिया के सामने घेरा



पाकिस्तान

भारत ने मंगलवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में जारी विरोध-प्रदर्शनों को लेकर पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की। भारत ने कहा कि यह अशांति इस्लामाबाद द्वारा उस इलाके में "दशकों से किए जा रहे व्यवस्थित शोषण, बुनियादी अधिकारों से वंचित रखने और प्रशासनिक दमन का नतीजा है, जिस पर उसका गैर-कानूनी और जबरदस्ती कब्जा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि ये विरोध-प्रदर्शन उस इलाके में पाकिस्तान की नीतियों का सीधा नतीजा हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा पाकिस्तान के अवैध और जबरन कब्जे वाले इलाकों में चल रहे विरोध-प्रदर्शन, पाकिस्तान द्वारा दशकों से किए जा रहे व्यवस्थित शोषण, मौलिक अधिकारों से वंचित रखने और प्रशासनिक दमन का सीधा नतीजा हैं।

विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया कि स्थानीय लोगों की चिंताओं पर ध्यान देने के बजाय, पाकिस्तान ने बल का इस्तेमाल किया। मंत्रालय के अनुसार, पाकिस्तानी सरकार ने निहत्थी महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अत्यधिक पुलिस बर्बरता, भोजन और दवा जैसी जरूरी चीजों की सप्लाई रोकना, इंटरनेट बंद करना और निहत्थे नागरिकों के खिलाफ जानलेवा बल का इस्तेमाल करके दिया।

भारत ने की अंतरराष्ट्रीय जवाबदेही की मांग

सामने आई घटनाओं को गंभीर बताते हुए, विदेश मंत्रालय ने वैश्विक समुदाय से इस पर प्रतिक्रिया देने का आग्रह किया। मंत्रालय ने कहा हमें उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इन गंभीर उल्लंघनों और दुर्व्यवहार के लिए पाकिस्तान को पूरी तरह जवाबदेह ठहराएगा। भारत का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में विरोध प्रदर्शन तेजी पकड़ रहे हैं।

PoJK में क्यों हो रहे विरोध-प्रदर्शन?

जम्मू-कश्मीर में जारी विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व मुख्य रूप से अवामी एक्शन कमेटी और उससे जुड़े समूह कर रहे हैं। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, यह आंदोलन राजनीतिक प्रतिनिधित्व, आर्थिक शिकायतों और प्रदर्शनकारियों द्वारा भेदभावपूर्ण शासन के रूप में वर्णित मांगों पर केंद्रित है।

आंदोलन 34वें दिन में प्रवेश कर चुका है, और रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि दोनों पक्षों के बीच वार्ता विफल होने के बाद 15 जुलाई को एक नए विरोध मार्च की योजना बनाई गई है।

खाड़ी क्षेत्र में विदेश मंत्री जयशंकर के मिशन की शुरूआत, ऊर्जा सुरक्षा और पश्चिम एशिया की स्थितियों पर हुई बड़ी चर्चा



पश्चिम एशिया

विदेश मंत्री एस जयशंकर की खाड़ी क्षेत्र के चार देशों की यात्रा के दौरान बातचीत में ऊर्जा सुरक्षा एक अहम हिस्सा थी और पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों पर भी चर्चा हुई। साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान सवालों का जवाब देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्री ने इस महीने की शुरूआत में कतर, कुवैत, बहरीन और ओमान का दौरा किया और वहां के नेतृत्व के साथ, जिसमें शीर्ष स्तर के नेता भी शामिल थे, जायसवाल ने कहा उन्होंने इन चारों देशों में अपने समकक्षों से भी मुलाकात की और व्यापार, ऊर्जा और निवेश जैसे कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। बातचीत में ऊर्जा एक महत्वपूर्ण विषय था; साथ ही, उन्होंने पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों पर भी चर्चा की और इस मुद्दे पर अपने विचार साझा किए। खाड़ी क्षेत्र में हुई बातचीत में ऊर्जा सुरक्षा एक अहम हिस्सा थी। कतर की अपनी यात्रा के दौरान, जयशंकर ने कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी से मुलाकात की। उन्होंने ऊर्जा, व्यापार, निवेश और लोगों के बीच आपसी संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए दोनों देशों के संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की। उन्होंने आपसी हित के क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर भी चर्चा की। जयशंकर ने अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत में कतर की अहम और सक्रिय मध्यस्थता भूमिका की सराहना की। उन्होंने भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से भी बातचीत की और क्षेत्रीय संघर्ष के मुश्किल समय में उनके धैर्य की सराहना की, साथ ही भारत-कतर साझेदारी को और मजबूत करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की भी तारीफ की।

जयशंकर ने 6-7 जुलाई को बहरीन का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, उन्होंने किंगडम के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री, प्रिंस सलमान बिन हमद अल खलीफा की मौजूदगी में किंग हमद बिन ईसा अल खलीफा से मुलाकात की।

भारत ने रूस भेजा तेल, 55 बिलियन का बड़ा धमाका! 25% की उछाल अचानक कैसे लगेगी?



रूस

दुनिया कहती थी कि भारत का खजाना तो अरब देशों के पास चला गया क्योंकि हमें तेल चाहिए। वो अंग्रेजी में कहते हैं ना द टेबल हैव टर्न। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल इंपोर्टर होने के बावजूद रिफाइंड पेट्रोलियम का बेताज बादशाह बनता जा रहा है। हमारे पेट्रोलियम एक्सपोर्ट में 25% की ऐसी सुनामी आने वाली है कि दुनिया के बड़े-बड़े देश अब लाइन लगाकर खड़े हैं। भारत अभी सालाना लगभग 45 से 47 बिलियन डॉलर के पेट्रोलियम प्रोडक्ट एक्सपोर्ट करता है। लेकिन अब यह नंबर बढ़कर 55 बिलियन डॉलर को टच करने वाला है। जैसे चीन ने सालों पहले क्या किया। दुनिया भर से कच्चा लोहा मंगाया और उसे स्टील बनाकर पूरी दुनिया को बेच दिया। अब भारत भी वही प्ले बुक क्रूड ऑयल के साथ अपना रहा है। हम कच्चा तेल यानी क्रूड ऑयल मंगाते हैं और अपनी वर्ल्ड क्लास रिफाइनियों में उसे प्रोसेस करते हैं और फिर उसे पेट्रोल, डीजल, जेट फ्यूल और पेट्रो केमिकल्स बनाकर पूरी दुनिया को महंगे दाम पर बेच देते हैं। यानी हम सिर्फ तेल नहीं बेच रहे हैं। हम अपनी मशीनरी और दिमाग बेच रहे हैं।

दरअसल हमारी सबसे बड़ी कंपनी आईओसीएल ने ?75,000 करोड़ का निवेश पूरा किया है। इन्होंने तीन जगह पर अपनी ताकत झोंकी है। पहली जगह है पानीपत, हरियाणा। यहां की क्षमता 15 से बढ़ाकर 25 मिलियन टन कर दी गई है। दूसरी जगह है वड़ोदरा यानी गुजरात। 13.7 से बढ़ाकर 18 मिलियन टन। तीसरा है बरौनी बिहार। यहां तो सीधा 50% का जंप है। 6 से 9 मिलियन टच। जब यह सब पूरी तरह चालू होगा तो भारत की रिफाइनिंग कैपेसिटी 300 मिलियन मेट्रिक टन के पास पहुंच जाएगी। मतलब यह है कि अब हम सिर्फ अपना पेट नहीं भरेंगे। हम दुनिया की प्यास बुझाएंगे। यह खबर सिर्फ इकॉनमी की नहीं है। यह पावर की खबर है। साल 2022 याद है ना? जब रूस और यूक्रेन की जंग छिड़ी तो यूरोप को डीजल चाहिए था। तब वो किसके पास आए? भारत के पास। और सबसे ताजा और दिलचस्प हिस्सा तो रूस का है। जिस रूस के पास तेल के कुएं हैं, जब उसे पेट्रोल की किल्लत हुई तो उसने दुनिया में और किसी से नहीं बल्कि भारत को अप्रोच किया।

दुनिया भारत से ही क्यों खरीदना चाहती है तेल?

भारत ने 6000 टन पेट्रोल रूस को शिफ्ट कर दिया। इसे कहते हैं रसूक। आज हम अमेरिका के साथ अपना गैप कम कर रहे हैं और रशिया से अपनी रिफाइनिंग कैपेसिटी में आगे निकल रहे हैं। अब दुनिया को तेल चाहिए तो रास्ता भारत से होकर गुजरेगा।

दक्षिण चीन सागर पर भारत का कड़ा रुख, विदेश मंत्रालय ने कहा- UNCLOS के तहत नरमी से जुड़े सभी विवाद

संयुक्त राष्ट्र

भारत ने मंगलवार को कहा कि साउथ चाइना सी से जुड़े मुद्दे पर उसका रुख साफ और सबको पता है। साथ ही, भारत ने UNCLOS में बताए गए अंतरराष्ट्रीय कानूनों के मुताबिक, समुद्र में आने-जाने और ऊपर से उड़ान भरने की आजादी के महत्व पर जोर दिया। साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दस साल पहले आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल का फैसला एक अहम पड़ाव है और यह संबंधित पक्षों के बीच विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने का आधार है। उन्होंने कहा कि साउथ चाइना सी से जुड़े मुद्दे पर हमारा रुख साफ और सबको पता है। हम UNCLOS (समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन) में बताए गए अंतरराष्ट्रीय कानूनों के मुताबिक, समुद्र में आने-जाने और ऊपर से उड़ान भरने की आजादी के महत्व पर जोर देते हैं। साथ ही, हम समुद्र के दूसरे कानूनी इस्तेमाल और बिना किसी रुकावट के व्यापार जारी रखने पर भी जोर देते हैं।

समुद्री विवादों का समाधान शांतिपूर्ण ढंग से और संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून समझौते के अनुसार होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा,दस साल पहले मध्यस्थ न्यायाधिकरण द्वारा दिया गया फैसला एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और संबंधित पक्षों के बीच विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का आधार है। 12 जुलाई को दक्षिण चीन सागर के संबंध में संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन



के अनुबंध श्क्क के तहत गठित मध्यस्थ न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए फैसले की दसवीं वर्षगांठ थी।

अमेरिका और जापान सहित 14 देशों के एक गठबंधन ने 11 जुलाई को 2016 के अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता फैसले की पुष्टि की, जिसने दक्षिण चीन सागर में बीजिंग के व्यापक दावों को अमान्य घोषित कर दिया और उन्हें "कोई कानूनी आधार नहीं" बताया। यह संयुक्त बयान रविवार को जापान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, एस्टोनिया, जर्मनी, इटली, लातविया, लिथुआनिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, रोमानिया, स्लोवेनिया, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा जारी किया गया।

इसमें "एक स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया गया जो शांतिपूर्ण, स्थिर और नियमों पर आधारित हो।

दोनों देशों ने कहा कि मध्यस्थता न्यायाधिकरण का 12 जुलाई, 2016 का निर्णय समुद्री अधिकारों और मामले में शामिल दावों के संबंध में 'चीन और फिलीपींस के बीच अंतिम, कानूनी रूप से बाध्यकारी और निर्णायक' बना हुआ है।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र की पूर्ण सदस्यता के लिए फिलस्तीन की दावेदारी का समर्थन किया

फिलस्तीन

भारत ने संयुक्त राष्ट्र की पूर्ण सदस्यता के लिए फि लस्तीन की दावेदारी का समर्थन किया है और साथ ही इजराइल-फि लस्तीन विवाद के समाधान के तौर पर 'टू-स्टेट सॉल्यूशन' (दो-देश समाधान) के लिए अपना समर्थन फिर से दोहराया है। सोमवार को ब्रुसेल्स में हुई 'फि लस्तीन डोनर ग्रुप' की मंत्री-स्तरीय बैठक में विदेश मंत्रालय की सचिव श्रीप्रिया रंगनाथन ने इस मामले पर नई दिल्ली का रुख स्पष्ट किया। इस उच्च-स्तरीय बैठक में यूरोपीय संघ, उसके सदस्य देशों, फि लस्तीन, अंतरराष्ट्रीय साझेदारों और वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक का मकसद फि लस्तीनी अथॉरिटी को वित्तीय मदद देने और वहाँ के लोगों तक मानवीय सहायता पहुँचाने पर चर्चा करना था।

फि लस्तीन पर भारत का रुख

भारत 1988 से ही "दो-देश" समाधान के नजरिए का समर्थन करता आ रहा है, जब उसने आधिकारिक तौर पर फि लस्तीन देश को मान्यता दी थी। यह रुख एक ऐसे संप्रभु, स्वतंत्र और व्यावहारिक फि लस्तीनी देश के विचार पर आधारित है जो इजराइल के साथ शांति से रह सके; यह भारत की विदेश नीति का एक अहम हिस्सा रहा है और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर इसे बार-बार दोहराया जाता रहा है।

फि लस्तीन डोनर ग्रुप देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का एक समूह है जो फि लस्तीनी अथॉरिटी के लिए आर्थिक मदद में तालमेल बिठाने का काम करता है। नवंबर 2025 में हुई पहली बैठक के बाद यह इसकी दूसरी बैठक थी। इस बैठक में फि लस्तीनी अथॉरिटी की आर्थिक स्थिति, सुधार की कोशिशों में हुई प्रगति और गाजा के लिए फंडिंग में तालमेल बिठाने के मकसद से शुरू की गई एक नई पहल पर ध्यान दिया गया। इस बैठक की सह-अध्यक्षता यूरोपीय कमिश्नर हाजा लाहबिब और फि लस्तीन के प्रधानमंत्री मोहम्मद मुस्तफा ने की, जिसमें दो-देश समाधान के समर्थन में वरिष्ठ अधिकारी और वित्तीय संस्थाएँ शामिल हुईं।

होर्मुज पर अमेरिका का कब्जा, ट्रंप अब जहाजों से लेंगे 20% टोल टैक्स?

होर्मुज

होर्मुज से लगे ईरान का ऐसा कोई तटे इलाका नहीं, कोई द्वीप नहीं जिसे पिछले तीन दिनों में अमेरिकी सेना ने निशाना ना बनाया हो। अब ये अमेरिका की पूरी रणनीति हो चुकी है। और मूस के पूरे समुद्री क्षेत्र से ईरान का नियंत्रण खत्म करना। क्योंकि इससे पहले जो सीजफायर डील हुई थी उसमें सबसे बड़ा करार होर्मुज पर नियंत्रण को लेकर ही था। समझौता 60 दिनों के लिए था। जिसमें अमेरिका को अपनी नाकेबंदी हटानी थी और ईरान को जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करनी थी। लेकिन ट्रंप का आरोप है कि ईरान समझौते की शर्तें पालन नहीं कर रहा। इस बयान के साथ ट्रंप ने यहां तक ऐलान कर दिया कि होर्मुज पर अब अमेरिका का नियंत्रण होगा।

होर्मुज को हम अपने नियंत्रण में ले रहे हैं। होर्मुज में ईरान के लिए नाकेबंदी लागू होगी। ट्रंप ने कहा कि हॉर्मूस में जहाजों पर टोल लगेगा। यहां से गुजरने वाले जहाजों पर 20% टोल लगेगा। जहाजों से टोल टैक्स अमेरिका लेगा। ट्रंप की इस धमकी के बावजूद ईरान ने कहा है कि हॉर्मोस पर कंट्रोल नहीं छोड़ेंगे।

मोदी की सुनते हैं पुतिन! पोलैंड का बड़ा खुलासा

पोलैंड

पोलैंड के उप-विदेश मंत्री व्लादिस्लाव थियोफिल बार्टोसजेव्स्की ने रूस-यूक्रेन युद्ध को और बढ़ने से रोकने की कोशिशों में भारत की भूमिका की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातों पर बहुत ध्यान देते हैं और नई दिल्ली उन कुछ देशों में से एक है जो मॉस्को पर असर डाल सकते हैं। न्यूज एजेंसी अठक को दिए एक इंटरव्यू में बार्टोसजेव्स्की ने पीएम मोदी को रूस के साथ लंबे समय से संबंध रखने वाले एक ऐसे नेता के तौर पर बताया जिनका दुनिया भर में सम्मान है। उन्होंने यह भी कहा कि मॉस्को और कीव के बीच तनाव को और बढ़ने से रोकने में भारत की भूमिका बहुत अहम है। न्यूज एजेंसी के अनुसार, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया के एक बहुत जाने-माने नेता हैं जिनका बहुत सम्मान किया जाता है। भारत के रूस (और उससे पहले सोवियत संघ) के साथ गुटनिरपेक्ष देश के तौर पर लंबे समय से संबंध रहे हैं। राष्ट्रपति पुतिन असल में प्रधानमंत्री मोदी की बातों पर ध्यान देते हैं।

उन्होंने 2022 के आखिर में पीएम मोदी की भूमिका को भी याद किया और दावा किया कि भारतीय प्रधानमंत्री ने संघर्ष के दौरान रूस को टैक्टिकल न्यूक्लियर हथियारों का इस्तेमाल करने से रोकने में मदद की थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी उन कुछ लोगों में से एक हैं जो राष्ट्रपति पुतिन पर असल में कुछ दबाव और प्रभाव डाल सकते हैं, और यह साफ तौर पर एक ऐसा काम है जिससे भारत इस संघर्ष को रोकने में मदद कर सकता है। पोलैंड के नेता ने



यह भी कहा कि तनाव कम करने की अपील उन नेताओं की तरफ से आने पर ज्यादा मायने रखती है जिन्हें रूस का विरोधी नहीं माना जाता है। उन्होंने कहा कि हर कोई तनाव बढ़ने के खिलाफ है, न सिर्फ. भारत और प्रधानमंत्री मोदी, बल्कि चीन के शी जिनपिंग भी। यह बात अहम है, खासकर तब जब यह अपील ऐसे देशों की तरफ से आए जिन्हें रूस का विरोधी नहीं माना जाता। यहाँ भारत की भूमिका बहुत अहम है। बार्टोस्जेव्स्की ने यह भी कहा कि वारसॉ और नई दिल्ली ने रूस से तेल आयात को लेकर अपने मतभेदों को सुलझा लिया है और अब वे एक-दूसरे के नजरिए को बेहतर ढंग से समझते हैं। उन्होंने कहा कि पोलैंड ने पहले चिंता जताई थी कि भारत द्वारा रियायती दरों पर रूसी कच्चा तेल खरीदने से रूस की युद्ध-अर्थव्यवस्था को मदद मिल रही है। हालांकि, उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों ने एक-दूसरे के नजरिए को समझ लिया है और अब यह मुद्दा चर्चा का कोई अहम विषय नहीं रहा। मुझे लगता है कि भारत के रूसी तेल खरीदने को लेकर हमने आलोचनात्मक रुख अपनाया था। हम इसके पीछे की आर्थिक वजह समझते थे, क्योंकि यह तेल भारी छूट पर मिल रहा था—बाजार भाव से लगभग 40 प्रतिशत कम पर। हम यह बात समझते थे, लेकिन इससे रूस की युद्ध-अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल रहा था।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा

जेन जी ने बनाया, वही अब बालेन शाह के खिलाफ सड़कों पर उतरा

नेपाल

जिस जेन जी के सरकार विरोधी प्रदर्शनों की लहर ने नेपाल की राजनीति में बड़ा बदलाव लाने में अहम भूमिका निभाई थी और जिसके दम पर बालेन शाह सत्ता के सबसे प्रभावशाली पद तक पहुँचे, वही जेन जी अब उनके खिलाफ सड़कों पर उतर आया है। पूरे नेपाल में लगातार बढ़ते विरोध प्रदर्शनों ने राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है और सरकार की स्थिरता पर सवाल खड़े होने लगे हैं। राजधानी काठमांडू समेत कई शहरों में प्रदर्शन तेज हो रहे हैं, जिससे राजनीतिक अस्थिरता की आशंकाएं गहरा गई हैं और सत्ता पर जनदबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

हम आपको बता दें कि नेपाल की राजधानी काठमांडू में युवक गणेश नेपाली की आत्मदाह की घटना ने देश की राजनीति और शासन व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस घटना के बाद सरकार के खिलाफ जनाक्रोश तेज हो गया है और विभिन्न विरोधी समूह एक मंच पर आते दिखाई दे रहे हैं। राजधानी में लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जिनमें सरकार पर गरीबों के प्रति असंवेदनशील रवैया अपनाने, प्रशासनिक लापरवाही बरतने और नागरिक अधिकारों का उल्लंघन करने के आरोप लगाए जा रहे हैं।

पच्चीस वर्षीय गणेश नेपाली का सोमवार को बागमती नदी के तट स्थित आर्यघाट पर अंतिम संस्कार किया गया। उन्होंने दो दिन पहले स्वयं को आग लगा ली थी, जिसके बाद उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। अंतिम संस्कार में उनके परिजन



सहित अनेक लोग मौजूद रहे और उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। परिजनों ने सरकार द्वारा घटना की जांच कराने, मुआवजा देने, उनकी पत्नी को नौकरी उपलब्ध कराने तथा बच्चों की शिक्षा का प्रबंध करने का आश्वासन मिलने के बाद अंतिम संस्कार के लिए सहमति दी।

हम आपको बता दें कि गणेश नेपाली मूल रूप से नेपाल के दुर्गम मुगु जिले के रहने वाले थे। वह विदेश जाकर रोजगार करने की तैयारी में थे और इसी उद्देश्य से पासपोर्ट बनवाने के लिए पासपोर्ट कार्यालय पहुंचे थे। इसी दौरान कार्यालय के बाहर खड़ी उनकी मोटरसाइकिल पर काठमांडू महानगर के सुरक्षा कर्मियों ने पहिया बंद करने वाला उपकरण लगा दिया। इसी घटना से आहत होकर उन्होंने स्वयं को आग के हवाले कर दिया। इस दुखद घटना ने राजधानी सहित पूरे देश में व्यापक प्रतिक्रिया पैदा कर दी है।

इस घटना के बाद सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन लगातार तेज हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार के कार्यकाल के शुरूआती एक सौ तीन दिनों में कई गंभीर प्रशासनिक चूक हुई हैं। विरोध में शामिल लोगों ने सरकार से गरीब और वंचित वर्ग के प्रति अधिक संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार अपनाने की मांग की। राजधानी के सिंहदरबार स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय के बाहर आयोजित प्रदर्शन में गणेश नेपाली के समर्थकों के साथ अप्रैल में चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान से प्रभावित परिवारों ने भी भाग लिया। बारिश के कारण प्रस्तावित विशाल रैली नहीं हो सकी, फिर भी बड़ी संख्या में लोग विरोध जताने पहुंचे। विरोध प्रदर्शनों का एक प्रमुख कारण अप्रैल में चलाया गया अतिक्रमण हटाने का अभियान भी है। इस अभियान के दौरान लगभग एक हजार परिवार बेघर हो गए थे। प्रभावित लोगों का आरोप है कि सरकार ने वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। बाद में इन परिवारों को अस्थायी आश्रय केंद्रों में रखा गया।

सीएसडीएस विवाद : प्रशासनिक जवाबदेही बनाम अकादमिक स्वायत्तता

अरुण कुमार

यह उस संतुलन की परीक्षा है जिसे हर लोकतंत्र को अकादमिक स्वतंत्रता और सार्वजनिक जवाबदेही के बीच बनाए रखना होता है। निस्संदेह सार्वजनिक धन से संचालित संस्थानों को वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता के उच्चतम मानकों का पालन करना चाहिए, पर उतना ही आवश्यक यह भी है कि प्रशासनिक कार्रवाई किसी भी रूप में स्वतंत्र शोध और आलोचनात्मक चिंतन को हतोत्साहित करती हुई प्रतीत न हो। किसी भी लोकतंत्र में विश्वविद्यालयों और स्वतंत्र शोध संस्थानों का महत्व केवल ज्ञान उत्पादन तक सीमित नहीं होता; वे सार्वजनिक नीतियों की समीक्षा, सत्ता से प्रश्न पूछने और लोकतांत्रिक विमर्श को समृद्ध करने का कार्य भी करते हैं। ऐसे संस्थानों की विश्वसनीयता जितनी आवश्यक है, उतनी ही आवश्यक उनकी जवाबदेही भी है। इसी संदर्भ में सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसायटीज (सीएसडीएस) और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के बीच उपजा विवाद राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है।

सीएसडीएस, जिसकी स्थापना 1963 में भारतीय राजनीतिक विज्ञान के अग्रणी विद्वान रजनी कोठारी ने की थी। उनके नेतृत्व में सीएसडीएस ने सर्वेक्षण-आधारित सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को संस्थागत स्वरूप दिया। बाद में लोकनीति कार्यक्रम के माध्यम से चुनावी व्यवहार पर किए गए अध्ययन नीति-निमार्ताओं, शोधकताओं और मीडिया के लिए विश्वसनीय संदर्भ बने। आज भी 'लोकनीति' कार्यक्रम भारत के सबसे विश्वसनीय चुनावी



सर्वेक्षणों में गिना जाता है।

सीएसडीएस की वित्तीय संरचना में आईसीएसएसआर का अनुदान केंद्रीय भूमिका निभाता है। संस्थान की कुल आय का लगभग 83 प्रतिशत हिस्सा इसी अनुदान से आता है और कर्मचारियों के वेतन का लगभग 90 प्रतिशत इसी पर निर्भर है। वर्ष 2024-25 में सीएसडीएस की कु ल आय 7.56 करोड़ रुपये रही, जिसमें से 6.29 करोड़ रुपये आईसीएसएसआर से प्राप्त हुए। यह आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि संस्थान की स्थिरता और संचालन लगभग पूरी तरह से सरकारी सहायता पर आधारित है, और यदि यह अनुदान निलंबित होता है तो उसके शोध, प्रकाशन और मानव संसाधन पर गंभीर संकट खड़ा हो सकता है।

सीएसडीएस और आईसीएसएसआर के बीच विवाद की शुरूआत 2025 महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान हुई, जब प्रो. संजय कुमार ने सोशल मीडिया पर मतदाता आंकड़ों में विसंगतियों का दावा किया। बाद में उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि आंकड़ों की व्याख्या में त्रुटि हुई थी और सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगी। इसके बाद आईसीएसएसआर ने इसे गंभीरता से लेते हुए सीएसडीएस को कारण बताओ नोटिस जारी किया और संस्थान की प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्यप्रणाली की जांच के लिए एक समिति गठित कर दी।

जांच समिति ने सीएसडीएस की कार्यप्रणाली में कई प्रशासनिक और वित्तीय अनियमितताओं की ओर संकेत किया, जिनमें यूजीसी नियमों के विरुद्ध नियुक्तियां, निदेशक चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी, गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष का चुनाव समय पर न होना, मकान किराए भत्ते संबंधी नियमों का उल्लंघन तथा वार्षिक लेखों का समय पर ऑडिट न होना शामिल है। दूसरी ओर सीएसडीएस का कहना है कि उसे समिति की पूरी रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई गई है। संस्थान का दावा है कि निदेशक की नियुक्तियां उसके ज्ञापन के अनुरूप हुई हैं और उसे अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए।

प्रशासनिक कार्रवाई और अकादमिक स्वतंत्रता के प्रश्न को लेकर सीएसडीएस विवाद दो विपरीत दृष्टिकोणों को सामने लाता है। सरकार का तर्क है कि यदि किसी अनुदान प्राप्त संस्थान में वित्तीय या प्रशासनिक अनियमितताएं पाई जाती हैं तो कार्रवाई करना उचित और आवश्यक है। दूसरी ओर आलोचकों का कहना है कि महाराष्ट्र चुनावों के मतदाता आंकड़ों पर टिप्पणी के बाद हुई यह कार्रवाई स्वतंत्र शैक्षणिक संस्थानों की स्वायत्तता और अकादमिक स्वतंत्रता पर सीधा प्रश्नचिह्न लगाती है। इस संदर्भ में शिक्षकों ने भी सामूहिक प्रतिक्रिया देते हुए सार्वजनिक प्रस्ताव पारित किया और चेतावनी दी कि अनुदान बंद होने से संस्थान का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि 1975-77 के आपातकाल जैसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील दौर में, जब कई अध्यापक सरकार के आलोचक थे।

सम्पादकीय

पार्टनर तुम्हारी पॉलिटिक्स क्या है

देश की खराब कर दी गई शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को सुधारने और धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन लगातार 25 दिनों से जारी है। इस आंदोलन में शामिल सोनम वांगचुक जंतर-मंतर पर पिछले 17 दिनों से अनशन पर हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजित दिपके का कहना है कि सोनम सर खुद से न बैठ पा रहे हैं, न खड़े हो रहे हैं। जाहिर है उनकी बिगड़ती सेहत ने न केवल उनके समर्थकों की चिंता बढ़ा दी है, बल्कि अब कई जानी-मानी हस्तियां भी सोनम वांगचुक के लिए फिक्रमंद हो रही है।

अखिलेश यादव ने एक लंबी-चौड़ी पोस्ट लिखकर उनसे अनशन खत्म करने की अपील की है। अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, रोहित पवार, फारुख अब्दुल्ला, आतिशी, सांसद महुआ मोईत्रा, संजय सिंह, जॉन ब्रिटास, किसान नेता गुरुनाम सिंह चढूनी समेत हजारों लोगों ने उन्हें खुलकर समर्थन दिया है और उनसे अनशन समाप्त करने की लगातार अपीलें हो रही हैं। लेकिन 59 वर्षीय वांगचुक अपने फैसले पर अडिग हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने जो शुरू किया है, उसे उसके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाना होगा। सोनम वांगचुक ने संदेश दिया है कि 'मैं बाहर से कमजोर हूं, लेकिन अंदर से मजबूत हूं।' खुद को महात्मा गांधी का अनुयायी बताते हुए वांगचुक कहते हैं कि वे गांधी के अहिंसक आंदोलन के सिद्धांतों में विश्वास करते हैं और उसी तरह भूख हड़ताल के जरिए सरकार की अंतरात्मा को जगाना चाहते हैं।

बेशक गांधीजी के सिद्धांतों की कोई काट ही नहीं है, लेकिन अंतरात्मा तो उसी की जगाई जा सकती है, जिसके भीतर यह विद्यमान हो। मौजूदा मोदी सरकार का निष्ठुर रवैया देखकर तो यह कतई उम्मीद नहीं दिखती कि उसे किसी की भी तकलीफ से कोई फर्क पड़ता है। नीट पेपर लीक होने और उसके बाद दोबारा परीक्षा करवाए जाने के मानसिक तनाव में कितने होनहार युवाओं ने अपनी जिंदगी ले ली, लेकिन नरेन्द्र मोदी ने संवेदना का एक शब्द नहीं कहा। वहीं शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस मुद्दे पर कोटा में राहुल गांधी द्वारा आयोजित छात्रों की गूंज रैली के लिए कहा था कि उसमें दहशतगर्दों को तैयार किया जा रहा है, इसके साथ ही उन्होंने सीजेपी और उसके समर्थकों को 'विघटनकारी तत्वों की बी-टीम' बताते हुए कहा था कि उन्हें देश की तरक्की पर भरोसा नहीं है। जिन नेताओं को विरोध की आवाज पसंद नहीं और आंदोलन के लोकतांत्रिक हक को जो लोग देशविरोधी गतिविधि समझते हैं, ऐसे सत्ताधारी क्या खाक अंतरात्मा जैसे शब्दों के मायने समझेंगे। अखबार अभिजित दिपके ने कहा कि समझ नहीं आता कि सरकार देश के नागरिकों की बात को इतनी आसानी से क्यों खारिज कर रही है। हम सिर्फ जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। हमारी केवल इतनी मांग है कि जो शिक्षा मंत्री परीक्षाएं ठीक से नहीं करा सका, उनकी जिम्मेदारी तय की जाए। बेशक अभिजित दिपके ने मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं के लिए कहे गए कॉकरोच शब्द से आहत होकर कॉकरोच जनता पार्टी बना ली और इस मुहिम को सोशल मीडिया पर समर्थन भी खूब मिला। लेकिन जब वे जमीन पर आंदोलन करने उतरे हैं तो उन्हें अपनी राजनैतिक परिपक्वता भी दिखानी होगी और मुक्तिबोध के शब्दों को उधार लेकर कहें तो पार्टनर अपनी पॉलिटिक्स भी बतानी होगी। अभिजित दिपके को यह समझना चाहिए कि मौजूदा सरकार के तौरतरीके पिछली तमाम सरकारों से बिल्कुल अलग हैं। लोकतंत्र का चोगा तो नजर आता है, लेकिन भीतर धड़कनें अधिनायकवाद की हैं। देश में पहले भी कई आंदोलन हुए हैं, जिनमें जमकर सरकार की धज्जियां उड़ाई गई हैं। सबसे बड़ी मिसाल तो 2011 का अन्ना आंदोलन ही है, जिसकी वजह से यूपीए सरकार की विदाई हुई। तब 11 दिन अन्ना हजारे अनशन पर बैठे थे और इस बीच सरकार विरोधी सारी मुहिम के बावजूद मंत्री, नेता, पदाधिकारी लगातार अन्ना हजारे और उनकी टीम से मिलते रहे। लोकपाल विधेयक कैसा होना चाहिए इसका मसौदा तैयार करने में उनसे बाकायदा चर्चा की गई। दिन-रात डा.मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी और गांधी परिवार को कोसा गया तो भी ऐसा नहीं हुआ कि आंदोलनकारियों को सरकार ने मरने के लिए छोड़ दिया। उस समय का मीडिया भी गुलाम नहीं था, लिहाजा उसने सातों दिन चौबीसों घंटे इस आंदोलन का प्रसारण किया। क्या आज जंतर-मंतर पर हम ऐसा होते देख रहे हैं। टुकड़ों-टुकड़ों में राजनैतिक दलों के लोग मंच पर जाकर अपनी सहानुभूति, समर्थन प्रकट कर रहे हैं, मगर वहां मंच और जमीन का फर्क समझ आ रहा है। जंतर-मंतर पर बहुत से लोग ऐसे भी हैं, जो जमीन पर हैं, और वहीं अनशन कर रहे हैं।

आस्था, परम्परा, आध्यात्मिक चेतना का विराट उत्सव

-: ललित गर्ग:-

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से प्रारम्भ होकर दस दिनों तक चलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकआस्था, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक दर्शन का विराट उत्सव है। पुरी की यह महायात्रा हजारों वर्षों की परम्परा का जीवंत प्रतीक है, जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इसी कारण इसे ह्यमहायात्राह्ण कहा जाता है। भारत के चार धामों में प्रतिष्ठित श्री जगन्नाथ धाम की यह यात्रा देश ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के करोड़ों श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बनती है। वर्ष 2026 की रथयात्रा भी अपार श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जा रही है, किन्तु इस बार इसके साथ एक नया विवाद भी जुड़ गया है। देश एवं विदेश के अनेक स्थानों पर इस्कॉन द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग तिथियों पर रथयात्राएं आयोजित किए जाने पर कुछ धार्मिक एवं परम्परावादी संगठनों ने आपत्ति व्यक्त की है। उनका मत है कि जगन्नाथ रथयात्रा की तिथि वही होनी चाहिए जो पुरी श्रीमंदिर द्वारा निर्धारित होती है। दूसरी ओर इस्कॉन का तर्क है कि विदेशों में स्थानीय प्रशासन की अनुमति, सार्वजनिक अवकाश, मौसम तथा अन्य व्यावहारिक कारणों से कभी-कभी तिथि में परिवर्तन आवश्यक हो जाता है। यह विवाद केवल तिथि का नहीं, बल्कि परम्परा और वैश्विक विस्तार के बीच संतुलन खोजने का विषय बन गया है।

वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं। पुरी का श्रीमंदिर भगवान जगन्नाथ का मुख्य धाम है। लगभग 800 वर्ष पुराने इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जगन्नाथ स्वरूप में अपने बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। प्रतिवर्ष केवल एक बार तीनों देव विग्रह अपने गर्भगृह से बाहर निकलकर भक्तों को दर्शन देते हैं। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्य दिनों में जहां भगवान के दर्शन सीमित होते हैं, वहीं रथयात्रा में प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के भगवान के साक्षात दर्शन कर सकता है।

यात्रा की तैयारियां अक्षय तृतीया से प्रारम्भ हो जाती हैं। उसी दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के तीनों विशाल रथों का निर्माण आरम्भ होता है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं। यद्यपि उनका स्वरूप और आकार सदियों से समान रहता है, फिर भी प्रत्येक वर्ष नई लकड़ी, नई सज्जा और नवीन निर्माण किया जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथ गरुड़ध्वज (कपिलध्वज), बलभद्र का तालध्वज तथा सुभद्रा का दर्पदलन अथवा पद्मध्वज कहलाता है। इन रथों के निर्माण की प्रक्रिया केवल शिल्पकला नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना मानी जाती है। कारीगर विशेष धार्मिक नियमों का पालन करते हुए इन्हें बनाते हैं। यह परम्परा हमें यह संदेश देती है कि प्रत्येक वर्ष मनुष्य भी अपने भीतर की ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार और लोभ को त्यागकर स्वयं का नव-निर्माण करे।

रथयात्रा के पीछे अनेक पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हैं। कहा जाता है कि एक बार सुभद्रा ने द्वारका नगर देखने की इच्छा व्यक्त की। तब भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने उन्हें अलग रथ पर बैठाकर नगर भ्रमण कराया। उसी स्मृति में तीनों भाई-बहनों की संयुक्त



रथयात्रा निकाली जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार भगवान की अपूर्ण प्रतिमाओं का निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने किया था, जो आज भी जगन्नाथ संस्कृति की विशिष्ट पहचान है। इस महायात्रा का एक अत्यन्त मार्मिक पक्ष यह भी है कि स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान अस्वस्थ माने जाते हैं और लगभग पन्द्रह दिनों तक सार्वजनिक दर्शन नहीं देते। इसके पश्चात वे रथों पर आरूढ़ होकर अपनी मौसी के घर गुण्डिचा मंदिर जाते हैं। वहां नौ दिनों तक विश्राम करते हैं और फिर बहुड़ा यात्रा के माध्यम से पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। लौटते समय भगवान का पोडा पीठा ग्रहण करना, पंचमी को देवी लक्ष्मी का रुष्ट होकर रथ का पहिया तोड़ना तथा बाद में भगवान द्वारा उन्हें मनाने की परम्परा भक्तिभाव एवं मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है। पुरी की रथयात्रा का एक अन्य अद्भुत दृश्य छेरा पहरा है। गजपति महाराज स्वयं स्वर्ण निर्मित झाड़ू से रथों के मार्ग की सफाई करते हैं। यह परम्परा संदेश देती है कि ईश्वर के समक्ष राजा और सामान्य व्यक्ति सभी समान हैं। सत्ता का सर्वोच्च पद भी सेवा से बड़ा नहीं हो सकता। रथयात्रा के समय जगन्नाथ मंदिर का महाप्रसाद भी विशेष आकर्षण का केन्द्र होता है। विश्व की सबसे बड़ी मंदिर रसोइयों में से एक इस रसोई में मिट्टी के पात्रों में प्रसाद बनाया जाता है। दाल, चावल, सब्जियाँ, मालपुआ, गजामूंग, लाई, नारियल तथा अनेक प्रकार के व्यंजन अत्यंत अल्प मूल्य पर श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराए जाते हैं। यह प्रसाद केवल भोजन नहीं, बल्कि समानता और साझेदारी का प्रतीक है। धार्मिक ग्रन्थों में रथयात्रा का अत्यन्त महत्व बताया गया है। स्कन्द पुराण, ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण तथा उत्कल खण्ड में भगवान जगन्नाथ की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। मान्यता है कि रथयात्रा के दर्शन एवं रथ को स्पर्श करने से अनेक जन्मों के पाप नष्ट होते हैं तथा रथ खींचने वाले को मोक्ष का अधिकारी माना गया है। यद्यपि इन मान्यताओं का आध्यात्मिक अर्थ यह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन-रथ को धर्म, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलाता है, वही वास्तविक मुक्ति प्राप्त करता है। जगन्नाथ रथयात्रा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र अथवा सम्प्रदाय का कोई भेद नहीं रहता। लाखों श्रद्धालु एक साथ रथ की रस्सी खींचते हैं। यही वह क्षण होता है जब धर्म केवल पूजा-पद्धति न रहकर सामाजिक एकता का उत्सव बन जाता है।

आज यह यात्रा केवल पुरी तक सीमित नहीं रही। भारत के लगभग सभी प्रमुख नगरों सहित अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और अनेक यूरोपीय देशों में भी जगन्नाथ रथयात्रा आयोजित होती है। विशेष रूप से इस्कॉन ने इस परम्परा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। करोड़ों विदेशी भक्तों ने इसी माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण एवं जगन्नाथ संस्कृति को जाना है। इसलिए यदि कहीं तिथियों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन भी किए जाएँ तो उनके पीछे धार्मिक अवमानना नहीं, बल्कि स्थानीय व्यवस्थाओं की विवशता भी हो सकती है। फिर भी यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जहाँ तक सम्भव हो, श्रीमंदिर की परम्परा और निर्धारित तिथि का सम्मान किया जाए, ताकि सम्पूर्ण विश्व में एकात्मता का संदेश और अधिक सुदृढ़ हो। दार्शनिक दृष्टि से रथ मनुष्य के शरीर का, भगवान आत्मा का तथा रथ को खींचने वाली रस्सियाँ समाज और लोकशक्ति का प्रतीक हैं। आत्मा तभी सार्थक होती है जब समाज सहयोग करे और समाज तभी श्रेष्ठ बनता है जब उसके केन्द्र में ईश्वर, नैतिकता और आत्मशुद्धि का भाव हो। यही कारण है कि जगन्नाथ रथयात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मविशुद्धि, लोकमंगल, समरसता, सेवा और आध्यात्मिक जागरण का अनुपम पर्व है। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के वैचारिक, सामाजिक और धार्मिक विभाजनों से गुजर रहा है, तब भगवान जगन्नाथ की यह महायात्रा हमें स्मरण कराती है कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य विवाद नहीं, बल्कि संवाद है। वर्चस्व नहीं, बल्कि समन्वय है और बाहरी आडम्बर नहीं, बल्कि अंतःकरण की पवित्रता है। यही इस महायात्रा का सनातन संदेश है ।

पत्नी की हत्या के आरोप में पति गिरफ्तार, मोबाइल चार्जर की केबल से गला घोंटने का आरोप

अखंड भारत संदेश

भदोही। सुरियावां थाना पुलिस ने महिला की हत्या के मामले में उसके पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने घरेलू विवाद के दौरान मोबाइल चार्जर की केबल से पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद वह फरार हो गया था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त केबल और क्षतिग्रस्त मोबाइल फोन भी बरामद किया है।पुलिस के मुताबिक, 13 जुलाई को सुरियावां थाना क्षेत्र के संजय नगर बाजार, दशवतपुर स्थित किराए के मकान में महिला का शव मिलने के बाद दहेज प्रताड़ना और हत्या सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया था।



मामले की जांच के दौरान पुलिस ने मृतका के पति रत्नेश कुमार निवासी हंडिया, प्रयागराज को मतेथू तिराहे के पास से गिरफ्तार किया।पुलिस का कहना है कि पूछताछ में आरोपी ने हत्या की बात स्वीकार करते हुए बताया कि उसे पत्नी के चरित्र पर संदेह था और इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद होता रहता था। घटना वाले दिन भी विवाद के दौरान उसने कथित रूप से मोबाइल चार्जर की केबल से पत्नी का गला घोंट दिया।

इसके बाद वह मौके से फरार हो गया और रास्ते में मृतका का मोबाइल फोन तोड़कर फेंक दिया।सुरियावां पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चार्जर की केबल और क्षतिग्रस्त मोबाइल फोन बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

लोजपा (रामविलास) की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक संपन्न, 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर जोर



अखंड भारत संदेश

भदोही। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की उत्तर प्रदेश प्रदेश कार्यसमिति की बैठक बुधवार को लखनऊ में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के मार्गदर्शन में आयोजित हुई। बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान और वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, सम्मान और विकास की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कार्यकताओं से सदस्यता अभियान को गांव-गांव और वार्ड स्तर तक पहुंचाने, जनसंपर्क अभियान चलाने तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासवान और उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं जमुई सांसद अरुण भारती की मौजूदगी में हुई बैठक में प्रदेश, मंडल और जिला स्तर के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान संगठन विस्तार और आगामी चुनावों की तैयारियों को गति देने पर विस्तार से चर्चा की गई। भदोही जिले की ओर से प्रदेश महासचिव एवं जिला प्रभारी कमल तिवारी, प्रदेश संगठन महामंत्री धनंजय दुबे, प्रदेश सचिव अवनीश तिवारी, मंडल अध्यक्ष विजय राय, जिलाध्यक्ष विकास दुबे, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद शमीम तथा जिला उपाध्यक्ष राहुल तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में कमल तिवारी ने भदोही जिले में सदस्यता अभियान और संगठन की गतिविधियों की जानकारी राष्ट्रीय नेतृत्व को दी। इस पर पार्टी नेतृत्व ने जिले में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठनात्मक गतिविधियों में तेजी लाने पर जोर दिया।

तालाब में मिले युवक के शव का खुलासा, हत्या के आरोप में दो गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

भदोही। सुरियावां थाना पुलिस और स्वाट टीम ने तालाब में मिले युवक के शव के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पुरानी रंजिश और संदेह के चलते युवक की हत्या कर शव तालाब में फेंक दिया गया था। आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लकड़ी का टुकड़ा और मृतक की टी-शर्ट भी बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक, 14 जुलाई को सदौपुर निवासी संगीता शुक्ला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके पति धीरज शुक्ला



8 जुलाई को घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। अगले दिन उनका शव दत्तूपुर पूर्व पट्टी स्थित डोलहरिया तालाब में मिला। शिकायत के आधार पर सुरियावां थाने में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक और अन्य साक्ष्यों के आधार पर दानूपुर पूर्व पट्टी निवासी सभाजीत बिंद और सुरेंद्र बिंद को गिरफ्तार किया। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि उन्हें संदेह था कि मृतक और उसके साथी ने कुछ महीने पहले तालाब में जहर डालकर मछलियों को नुकसान पहुंचाया था। इसी शक में दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके दौरान धीरज शुक्ला पर लकड़ी से हमला किया गया। गंभीर चोट लगने के बाद उसकी मौत हो गई और पहचान छिपाने के लिए शव तालाब में फेंक दिया गया।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लकड़ी का टुकड़ा और मृतक की टी-शर्ट बरामद कर ली गई है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई है।